डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/ म.प्र./ मन्दसौर/ 122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 50 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 02 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मासूम को खाद के कट्टे में भर पत्थरों के नीचे दबाया

गांव का ही युवक नामजद, आरोपी फरार

गंभीर रूप से घायल मासूम का राजकीय अस्पताल झालावाड़ में उपचार जारी

भानपुरा, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र के ग्राम अंतरालिया के पास स्थित कब्रिस्तान के पास पत्थरों के निचे दबे हुए खाद के कट्टे में हलचल होने व रोने की आवाज आने पर पास ही बकरियां चराने वाले व्यक्ति ने गांव में लोगों को सूचना दी। सूचना पर मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठे हुए और पत्थरों के निचे दबे हुए खाद के कट्टे को निकालकर खोलने पर 12 साल का मासूम गंभीर हालत में घायल पाया गया। बालक की पहचान 3 किलोमीटर दूर स्थित गांव गणेशपुरा के कारुलाल भांबी के पुत्र जगदीश भांबी के रूप में हुई। गंभीर रूप से घायल 9 वीं कक्षा में पढ़ने वाले जगदीश ने जैसे तैसे बोलकर बताया कि गांव के ही प्रहलाद पिता गणपत भांबी द्वारा उसे रास्ते से कब्रिस्तान की ओर ले जाकर उसकी गर्दन पर साफी से तीन आंटे लगाकर उसके सीने पर पैर रखा। उसके बाद उसे कुछ पता नहीं है।

गंभीर रूप से घायल व बेहोश हालत में जगदीश भांबी को भानपुरा के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां प्रारंभिक उपचार के बाद झालावाड़ के राजकीय चिकित्सालय में ले जाया गया। घायल बालक के पिता कारुलाल भांबी ने राजकीय अस्पताल झालावाड़ से मोबाइल पर बताया कि वह मजदूरी करता है। उसके एकमात्र पुत्र के रूप में जगदीश के साथ घटना से दुखी हैं। उसकी किसी के साथ कोई दुश्मनी नहीं है। कारुलाल ने बताया कि डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल मेरे बेटे को डायलिसिस मशीन पर रखा हुआ हैं। फिलहाल हमें पता नहीं है कि उसकी क्या हालत है। डाक्टर अभी हमें उससे मिलने नहीं दे रहे हैं।

पुलिस थाना अधिकारी रमेशचंद दांगी ने बताया कि युवक की हालत काफी गंभीर है। बताए गए आरोपी प्रहलाद भांबी की तलाश की जा रही है एवं पुलिस थाना भानपुरा में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया गया है।ङ क्षेत्र में इस तरह की घटना से अंतरालिया, गणेशपुरा व अनेक गांवों में आक्रोश व्याप्त है। फिलहाल बताया गया हैं कि आरोपी पुलिस पहुंच से बाहर है। आरोपी द्वारा घटना को क्यों अंजाम दिया गया है, इसकी वास्तविक हकीकत पुलिस जांच के बाद ही पता चल सकेगी।

नंगा नहाएगा क्या और निचोड़ेगा क्या..?

समोसा 15 रुपए, मिड डे मिल सवा छह रुपए का, बिना धांधली मिड डे मिल चलना असंभव..?

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में समोसा पंद्रह से बीस रुपए तक बिक रहा है। इधर सिर्फ मैदे का खर्च निकाल लिया जाए तो भी दुकानदार को कम से कम समोसा नौ रुपए में तो पड़ ही रहा होगा। मिड डे मिल में गेहूं और चावल सरकार मुहैया कराती है। इसके बाद का खर्च ठेकेदार का होता है। प्राथमिक विद्यालयों में मिड डे मिल अभी तक 05.50 रुपए से भी कम में दिया जा रहा था। उंट के मुंह में जीरा की तर्ज पर सरकार ने कुछ राशि बढ़ाकर लगभग सवा छह रुपए की है। यहीं स्थिति मिडिल स्कूलों में है। यहां राशि बढ़ाकर लगभग सवा नौ रुपया की गई है। महंगाई को देखते हुए आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि बिना धांधली के मिड डे मिल चला पाना मुश्किल ही है। वहीं शासन की मंशा है कि बच्चों को पौष्टिक चीजें मिले तो इतने कम रुपयों में किस तरह की सामग्री दी जा रही होगी, आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है।

हालात यह है कि मिड-डे-मील के लिए कक्षा एक से पांचवीं तक के प्रति बच्चा सिर्फ 5 रुपए 47 पैसे और कक्षा छह से आठवीं तक 8 रुपए 17 पैसे का ही बजट है। एक दिसंबर से 72 पैसे से 1.12 रुपए तक राशि बढ़ाई गई है। जो आज सोमवार से लागू होगी। लेकिन, अभी भी इन्हें बनवाने में खर्च दोगुना होगा। इससे बच्चों को मानक गुणवत्तायुक्त भोजन नहीं मिल पाता है। जबकि, कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों को 450 कैलोरी और 12 ग्राम प्रोटीन और कक्षा 6 से आठ तक के लिए 700 कैलोरी और 20 ग्राम प्रोटीन होना आवश्यक है। बता दे कि मिड-डे-मील के लिए गेहूं और चावल सरकार से मिलता है।

सिस्टम की खामी के कारण मिल रहा गड़बड़ी को बढ़ावा...

मिड-डे मील के लिए प्राथमिक स्कूल के छात्रों के लिए सिर्फ 5.47 रुपए प्रति बच्चा व माध्यमिक में 8.17 रुपए के मान से राशि मिलती है, जो नाकाफी है। रसोइये को खाना बनाने के 2 हजार मिलते हैं जो कि दैनिक मजदूरी से बहुत कम हैं। हाल ही में केंद्र सरकार ने पीएम पोषण योजना में प्रति बच्चा क्रमश: 72 पैसे व मावि में 1.12 रुपए वृद्धि की है जो 1 दिसंबर से लागू हो चुकी है। चूंकि प्रति बच्चा राशि कम आती है। बनाने वालों को मजदूरी कम देते हैं और महीनेभर का एवरेज निकालकर मध्यान्ह भोजन का गेहूं-चावल स्वीकृत होता है। इन सभी का पड़तल मिलाने और व्यवस्था चलाने के लिए भोजन बनाने वाले समूह और सरकारी सिस्टम के लोग वास्तविक भोजन करने वालों का आंकड़ा ना देते हुए उपस्थिति आंकड़ा का उपयोग कर रहे हैं। यदि सरकार पर्याप्त राशि दे और सही मॉनिटरिंग हो तो यह धांधली रुक सकती है।

यह है मिड डे मिल योजना...

बच्चों को मिड डे मील के लिए सरकार विद्यालयों को सिर्फ चावल और गेहूं ही मुहैया कराती है। जबकि, बाकी खाद्य पदार्थ मसलन तेल, मसाला, आलू, प्याज समेत अन्य सब्जियां, मेनू के अनुसार अन्य खाद्य पदार्थ और ईंधन के तौर पर गैस सिलेंडर की व्यवस्था इसी आवंटित राशि से समूह या संस्था प्रधान को करनी पड़ती है। ऐसे में यह आसानी से समझा जा सकता है कि किस तरह से चंद रुपए से बच्चों का पेट आनन फानन में भरा जा रहा है।

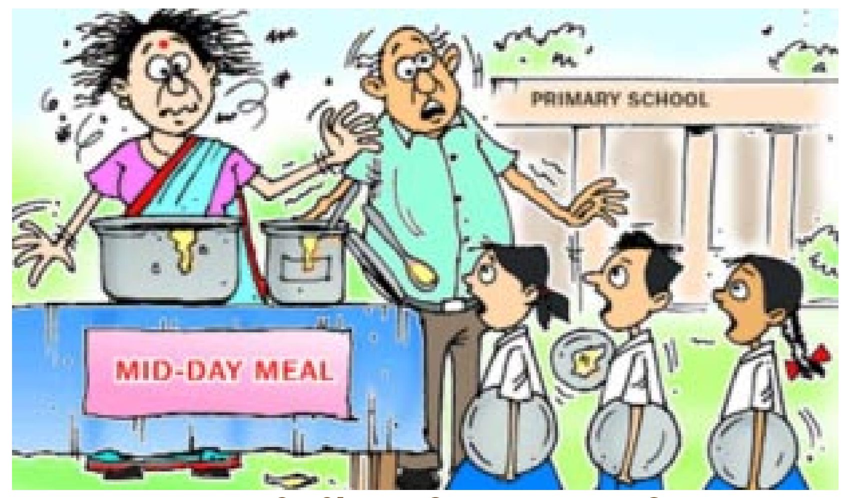

कुछ यूं समझते हैं एमडीएम का समीकरण...

एमडीएम के लिए आवंटित राशि का समीकरण समझना बेहद आसान है। वर्तमान में पहली से पांचवीं कक्षा तक के प्रति बच्चा के लिए 5.47 रुपए आवंटित है। यदि किसी विद्यालय में 100 बच्चों की उपस्थिति है और उन्हें मिड डे मील का भोजन कराना है तो कुल खर्च प्रतिदिन के हिसाब से 547 रुपए खर्च होंगे। जो कि सरकार द्वारा आवंटित राशि है। जबकि कुल खर्च की बात करे और चावल और गेहूं को छोड़ दें तो करीब 700-800 रुपए खर्च प्रतिदिन का आता है। जहां इससे अधिक बच्चे नामांकित हैं वहां की स्थिति क्या होगी अंदाजा लगाया जा सकता है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर विद्यालय प्रबंधन के द्वारा 30-40 प्रतिशत अतिरिक्त राशि की व्यवस्था किस तरह से की जा रही है। स्वाभाविक है या तो जुगाड़ तंत्र का सहारा लिया जा रहा है या फिर उपस्थिति और अनुपस्थिति में हेरफेर किया जा रहा है।

प्रदेश के 12 जिलो में विमुक्त, घुमंतू, अर्द्धघुमंतू समुदायों का सर्वे होगा, मंदसौर भी शामिल

भोपाल, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में विमुक्त, घुमंतू, अर्द्ध घुमंतू समुदायों के परिवारों का सर्वे किया जाएगा। प्रदेश के इंदौर, भोपाल, उज्जैन सहित 12 जिलों में मंदसौर भी शामिल किया गया है। इसमें परिवार के आधार कार्ड और बैंक खाते के साथ अन्य जानकारियां ली जाएंगी। इसके आधार पर उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलवाया जाएगा। साथ ही पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षण संस्थाओं में 75 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए आधार आधारित बायोमीट्रिक उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी।

पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमंतू एवं अर्द्ध-घुमंतू राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने ये निर्देश मंत्रालय में विभागीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में बताया गया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन, देवास, शाजापुर, राजगढ़, कटनी, धार, मंदसौर, रायसेन, विदिशा और सीहोर जिले में सर्वे किया जाएगा। इसमें डाटा एकत्र करने के बाद प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। बाद में अन्य जिलों में भी ऐसा सर्वे किया जाएगा। विमुक्त, घुमंतु एवं अर्द्ध-घुमंतु समुदायों के लिये लोकरंग उत्सव आयोजित करने पर भी विचार किया जा रहा है। बैठक में विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की गई।

कंप्यूटर दुकान में चोरी, सुराग नहीं मिला

गरोठ, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ थाने पर तेज तर्रार और दबंग थाना प्रभारी की आवश्यकता महसूस हो रही है। जिनसे चोरों और अपराधियों में भय का महौल रहे। नगर में चोर काफी सक्रिय है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात्रि में चोरों ने तहसील रोड संघ कार्यालय के पास स्थित विजन कम्प्यूटर्स पर अपना कमाल दिखा कर सीपीयू, कैमरे, प्रिंटर सहित लाखों रुपए के माल पर अपना हाथ साफ कर डाला।

मिली जानकारी के अनुसार तहसील रोड कॉलेज के पास विजन कंप्यूटर पर चोरों ने लैपटॉप, प्रिंटर, कंप्यूटर और अन्य सामग्रियों पर हाथ साफ किया। बदमाशो ने यह चोरी चैनल गेट का ताला तोड़कर की। दुकान संचालक चेतन वर्मा जब सुबह अपनी दुकान पर आए तो उनको चोरी का पता चला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंच पुलिस ने मुआयना कर पंचनामा बनाया और जांच शुरू की।

बता दें कि गरोठ नगर में पूर्व में हुई लाखों की चोरियों के विषय में भी पुलिस के हाथ अभी तक खाली ही है। जिसमें मुख्यत: उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के बहनोई नथमल सोनगरा के यहां, चंद्रशेखर नगर, पार्षद धर्मेंद्र शर्मा के भाई तथा अध्यापिका निशा सांकला के यहां बड़ी चोरियां हुई थी। लेकिन, चोरियों के मामलों में पुलिस के हाथ अभी तक खाली है। चोरियो को लेकर के खड़ावदा से ग्रामीण बस भर कर आए थे और चौकी की स्थापना की मांग की थी। इन सभी घटनाओं से पुलिस की कार्यप्रणाली पर क्षेत्रवासी उंगलियां उठा रहे हैं। शनिवार को एसआई सुभाष गिरी लोकायुक्त की कार्रवाई में आरोपी बनाए गए। इन घटनाओं से पुलिस के प्रति जनता में आक्रोश पनप रहा है। थाने पर टीआई की पदस्थापना नहीं हुई है। अभी भी एसआई के भरोसे चल रहा है थाना। इंचार्ज थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। चोरी हुई है या नहीं, इसकी जांच एसआई बापूसिंह बामनिया कर रहे हैं।

जनसंख्या में गिरावट पर आरएसएस चीफ ने जताई चिंता, कहा...

3 से अधिक बच्चे पैदा करने की जरूरत

मुंबई, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख अर्थात आरएसएस के चीफ श्री मोहन भागवत ने जनसंख्या में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आधुनिक जनसंख्या विज्ञान का हवाला देते हुए बताया कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चला जाता है तो वह समाज धीरे-धीरे पृथ्वी से लुप्त होने की कगार पर होता है। संकट न होने पर भी वह समाज नष्टहो जाता है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, जनसंख्या में गिरावट चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब किसी समाज की जनसंख्या (प्रजनन दर) 2.1 से नीचे चली जाती है तो वह समाज पृथ्वी से लुप्त हो जाता है. संकट न होने पर भी वह समाज नष्टहो जाता है। इस तरह अनेक भाषाएं और समाज नष्टहो गए। जनसंख्या 2.1 से नीचे नहीं जानी चाहिए। हमारे देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय की गई थी। इसमें यह भी कहा गया है कि किसी समाज की जनसंख्या 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। जनसंख्या विज्ञान का कहना है कि हमें दो या तीन से अधिक बच्चे पैदा करने की आवश्यकता है। समाज को जीवित रखने के लिए संख्या महत्वपूर्ण है।

सरकार को राजस्व का चूना लगाता आरटीओ...

कलेक्टर-एसपी पर भारी परिवहन अधिकारी..?

अब इन पर कार्रवाई का अधिकार सिर्फ पुलिस-प्रशासन को

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। वैसे तो जिले में कई सरकारी विभागों में बिना टैक्सी परमिट के वाहन अटैच है। इनकी फिटनेस पर भी सवाल खड़ा हो रहा है। इन पर कार्रवाई का अधिकार जिला परिवहन अधिकारी को है। लेकिन, मजे की बात तो यह है कि खुद परिवहन अधिकारी बिना टेक्सी परमिट का वाहन चला रहे हैं। खुद के लिए अटेच वाहन बिना टेक्सी परमिट का होने के साथ उसकी फिटनेस भी सवालों के घेरे में है। अब प्रश्न यह उठता है कि उन पर कार्रवाई कौन करें? अब सिर्फ पुलिस और प्रशासन ही इस पर कार्रवाई कर सकते है। लेकिन, परिवहन अधिकारी से जुड़े उनके खास लोगों का दावा है कि कलेक्टर-एसपी भी जिला परिवहन विभाग के अधिकारी पर कार्रवाई नहीं कर सकते। सरकार को राजस्व का चूना लगाने खुद जिला परिवहन अधिकारी सहयोग कर रहे हैं। इस तरह की कार्यप्रणाली से कहीं न कहीं परिवहन विभाग के अधिकारी और वाहन ठेकेदार के बीच जुगलबंदी को भी दर्शा रही है।

सरकार को लग रहा राजस्व का चूना...

परिवहन विभाग की लापरवाही से सरकार को राजस्व का चूना लग रह है। सरकारी विभागों में टैक्सी पास की जगह पर निजी वाहन अटैच किए हुए हैं। जबकि, नियम से विभाग में लगने वाले चार पहिया वाहन टैक्सी परमिट में पास होना अनिवार्य है। जिम्मेदारों की इस लापरवाही से सरकार को हर साल राजस्व की बड़ी हानि हो रही है। वाहन को टैक्सी में पास कराने के लिए लोगों को अधिक टैक्स जमा करना होता है। वहीं रजिस्ट्रेशन एवं फिटनेस की अलग से फीस जमा करनी होती है। निजी में पास कराने पर कम टैक्स लगता है और आजीवन के लिए कोई झंझट नहीं रहता है। बात मंदसौर जिले की करें तो अधिकांश विभागो में बिना टैक्सी परमिट के वाहन अटैच है। यहां समस्या यह है कि कार्रवाई का अधिकार रखने वाले परिवहन अधिकारी खुद ही सरकार को राजस्व का चूना लगाते हुए बिना टैक्सी परमिट का वाहन उपयोग कर रहे हैं। बता दे कि यदि चार पहिया वाहन को टैक्सी में पास कराते हैं तो गाड़ी की कीमत से करीब 8 से 9 प्रतिशत टैक्स जमा करना होता है। साथ ही रजिस्ट्रेशन फीस करीब 3 से 4 हजार रुपए, उसके उपरांत हर साल गाड़ी की फिटनेस करानी होती है। जिसमें करीब एक से डेढ़ हजार रूपए तक शुल्क जमा करना होता है।

दिलीप कर्ताधर्ता, बाबू कर रही बसों की जांच...

जिलेभर में नियमों को ताक पर चल रही कई बसों को परिवहन विभाग से अभयदान प्राप्त है। इसका कारण है कि आरटीओ विभाग के दिलीप के माध्यम से पूरा सेटलमेंट बसों से लेकर अन्य सभी कामों में हो रहा है। हालांकि, हाल ही में हुई लोकायुक्त और सीबीआई की कार्रवाई में यह साफ हो गया है कि रिश्वतखोर अधिकारी का दलाल कोई प्रायवेट व्यक्ति हो या सरकारी कर्मचारी, वह भी लपेटे में आ सकता है। इधर एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि सहायक ग्रेड तीन बाबू बसों की जांच पड़ताल करते कई बार नजर आती है। फिटनेस और परमिट सहित अन्य कागजों की जांच के लिए इंस्पेक्टर की बजाय सहायक ग्रेड तीन को भेजना समझ से परे नजर आ रहा है।

अनदेखी- मंदसौर जिला मुख्यालय के बड़े अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनो के रुकने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए कड़ाके की ठंड में भी भर्ती मरीज के परिजन किराए से बिस्तर लेकर इस तरह जमीन पर सोते हैं।

गांधी सागर में तेंदूओं की टेंशन, चीतों का इंतजार

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इस साल के अंत में चीतों के गांधी सागर में आने की पूरी संभावना जताई जा रही थी। लेकिन, कहीं न कहीं चीता प्रोजेक्ट में लेटलतीफी हो रही है। अफ्रीका से आने वाले चीतों का प्रोजेक्ट कछुआ चाल से चल रहा है। चीतों को बसाने की राह में तेंदुए टेंशन बन रहे है। यहां से तेंदुओ को अभी भी शिफ्ट नहीं किया जा सका है। इधर चीतों के लिए चिकित्सा और भोजन व्यवस्था भी अभी पूरी नहीं हो पाई है। स्थानीय अधिकारी भी दिल्ली से निर्देशों का ही इंतजार कर रहे हैं।

गांधीसागर अभयारण्य के रामपुरा पठार में अफ्रीका से चीतों को लाना है। प्रोजेक्ट कछुआ चाल से चल रहा है। निर्माण संबंधी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। लेकिन, चीतों के इलाज के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक, भोजन के लिए चीतल लाने एवं उन्हें बचाने के लिए तेंदुओं को शिफ्ट करने जैसी कई प्रक्रिया अधूरी है। डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट के अनुसार 22 तेंदुओं को शिफ्ट करना है। लेकिन, अब तक 13 ही शिफ्ट हो पाए हैं। ऐसे में अब विभाग ने बाड़े को 3 हिस्सों में बांट दिया है। एक से तेंदुओं को शिफ्ट किया जा रहा है। लेकिन, उसमें भी अभी 2-3 तेंदुए बाकी हैं। ऐसे में जल्द चीते आते नहीं दिख रहे है। स्थानीय अधिकारियों के पास कोई जानकारी नहीं है। शासन स्तर पर अधिकारियों के बदलाव से वे भी कुछ कहने से बच रहे हैं। सभी दिल्ली से निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

गांधीसागर अभयारण्य में ईको सिस्टम को बनाए रखने के लिए रामपुरा पठार क्षेत्र में चीतों को बसाने की कवायद 2 साल से चल रही है। इसके लिए 8 हजार 900 हेक्टेयर में बाड़ा एवं 6 से 8 चीतों के लिए क्वारेंटाइन बोमा तैयार है। कई बार अफ्रीका व दिल्ली से टीमें दौरा कर गई। लेकिन, प्रोजेक्ट कछुआ चाल से चल रहा है। चीतों के भोजन के लिए कुनो, राजगढ़ के नरसिंहगढ़ संचुरी सहित अन्य स्थानों से 1250 चीतल गांधीसागर लाना हैं। लेकिन, अब तक 434 ही लाए जा सके हैं। अभी भी चीतों के लिए पर्याप्त भोजन की व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञ चिकित्सक की नियुक्ति की जाना है। इसके बाद ही चीतों को गांधीसागर लाया जाएगा। उन पर निगरानी के लिए वनरक्षक व अन्य कर्मचारियों की नियुक्ति होना है। 60 की जगह 30 का ही स्टाफ उपलब्ध है। चीतों को गांधीसागर बाड़े में लाने से पहले बाड़े के क्षेत्र से तेंदुओं को शिफ्ट किया जाना है। एक ही बाड़े में दोनों की उपस्थिति से चीतों को खतरा है। ऐसे में तेंदुओं को शिफ्ट करने का कार्य डब्ल्यूआईआई (वाइल्ड लाइफ इंडियन इंस्टीट्यूट) द्वारा किया जा रहा है।

शाजापुर से हिरण भी नहीं आए...

चीतों के भोजन के लिए शाजापुर से अफ्रीका की टीम द्वारा ही काले हिरण व नीलगायें को पकड़कर गांधीसागर में छोड़ा जाना है। इसके लिए 8 माह पूर्व टीम शाजापुर पहुंच गई। लेकिन, गर्मी व बाद में बारिश के चलते प्रक्रिया नहीं हो पाई। इसके बाद से मामला ठंडे बस्ते में ही चल रहा है। अधिकारियों के पास भी कोई जानकारी नहीं है।

इनका कहना...

तेंदुए को शिफ्ट करने की प्रक्रिया डब्ल्यूआईआई द्वारा की जा रही। हमें भी पूरी जानकारी नहीं है। अभी शासन स्तर से निर्देश का इंतजार है। चिकित्सक व स्टाफ की प्रक्रिया शासन स्तर पर चल रही है। जल्द अपडेट मिलते ही अवगत कराएंगे।

संजय रायखेरे
डीएफओ, मंदसौर

चीतल को लाने का कार्य चल रहा है। हमारी तरफ से लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। चिकित्सक व स्टाफ सहित अन्य प्रक्रिया शासन स्तर से होना है। अभी चीता के संबंध में कोई निर्देश नहीं है। दिल्ली से ही निर्देश मिलेंगे, उसके अनुसार आगे की कारवाई करेंगे।

आरआर परमार
प्रभारी एसडीओ, गांधीसागर

विचार-मंथन

बांग्लादेश में निशाने पर अल्पसंख्यक!

करीब तीन महीने पहले बांग्लादेश में जब एक अप्रत्याशित घटनाक्रम के बीच तख्तापलट के बाद नई अंतरिम सरकार ने काम करना शुरू किया था, तब उम्मीद की गई थी कि वह अब सबके हित को मकसद बना कर नई राह पर चलेगी। मगर अब वहां से जैसी खबरें आ रही है, वे यही बताती है कि बांग्लादेश शायद फिर से एक नई समस्या के दौर में दाखिल हो रहा है। यह विडंबना ही है कि नई अंतरिम सरकार ने सबको साथ लेकर चलने का भरोसा दिया था, लेकिन अब वहां के अल्पसंख्यक समुदायों के सामने बेहद जटिल स्थिति खड़ी हो रही है और उनके साथ होने वाले बर्ताव से ऐसा लगता है कि उन्हें देश में दोयम दर्जे का नागरिक माना जाएगा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि वहां सामुदायिक टकराव की स्थिति बन रही है और सरकार उसका कोई समाधान निकालने के बजाय अल्पसंख्यकों के खिलाफ नाहक आक्रोश को रोक नहीं पा रही है। गौरतलब है कि कुछ समय से लगातार ऐसी आवाजें उठ रही हैं कि बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार के जिम्मेदारी संभालने के बाद स्थानीय हिंदु समुदाय के साथ कई स्तर पर भेदभाव किए जा रहे हैं और सरकार उन्हें रोकने के बजाय अपनी आंखें मूंदे हुए है। जबकि बांग्लादेश में बगावत के बाद नए दौर की शुरुआत के साथ लोगों ने वहां सद्भाव और समावेशी राह की नई हवा बहने की उम्मीद की थी।

फिलहाल स्थिति यह है कि वहां की पुलिस ने इस्कान समूह से जुड़े रहे चिन्मय कृष्ण दास को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि वहां उन पर राष्ट्रीय झंडे को अपमानित करने का हवाला देकर राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाया गया है, मगर इस आरोप की हकीकत तो जांच से ही सामने आएगी। इसके बाद बांग्लादेश की नई सरकार के इस रुख पर सवाल उठने लगे हैं कि पिछली सरकार को तानाशाही बता कर सत्ता में आने के बाद क्या अब उसका रवैया धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति पनप रहे विद्वेष को तुष्ट करने वाला होगा। कहने को बांग्लादेश की सरकार इस तरह के आरोपों से इनकार करती है, लेकिन आखिर क्या वजह है कि वहां हिंदुओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की ओर से अपने खिलाफ माहौल पैदा करने के आरोप लगाए जा रहे हैं और सरकार अपने रवैये से इस समस्या का कोई सौहार्दपूर्ण हल निकालने के बजाय असंतोष को बढ़ावा दे रही है! सवाल है कि अगर बांग्लादेश में पूर्व की सरकार पर तानाशाही के आरोप थे और आम जनता ने उसके खिलाफ विद्रोह करके उसे सत्ता से हटाया, तो नए दौर के शुरुआती महीनों में ही वहां से ऐसी तस्वीरें क्यों सामने आने लगी हैं। फिलहाल जिस तरह के हालात पैदा हो रहे हैं, अगर सरकार ने उस पर तत्काल लगाम लगाने के ठोस उपाय नहीं किए तो सामुदायिक टकराव चिंताजनक रास्ता भी अख्तियार कर सकता है। हालांकि बांग्लादेश इसे अपना घरेलू मामला बता रहा है, लेकिन पड़ोसी देश में इस तरह की घटनाओं का व्यापक असर पड़ सकता है। यही वजह है कि भारत ने इस मसले पर चिंता जताई है। बांग्लादेश में यह अफसोसनाक स्थिति तब है कि जब नई सरकार की कमान शांति के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित मोहम्मद यूनुस के हाथों में है। उनके इसी परिचय की वजह से उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे वहां कानून-व्यवस्था का राज लाने के साथ-साथ सभी समुदायों के बीच सद्भाव कायम करेंगे, ताकि बांग्लादेश अपने नए सफर में मानवाधिकारों और शांति की राह पर आगे बढ़ने का संदेश दे।

पाकिस्तान में मची उथल-पुथल के पीछे किस का हाथ है?

मेजर जनरल हर्ष कक्कड़

14 नवंबर को इमरान खान ने अपने समर्थकों से महीने की 24 तारीख को इस्लामाबाद में एकत्रित होने का आह्वान किया, ताकि जनादेश की चोरी, अन्यायपूर्ण गिरफ्तारी और एक विवादास्पद संवैधानिक संशोधन पारित करने के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जा सके, जिसने राज्य को हाई कोर्ट में जजों की नियुक्ति पर नियंत्रण दिया और इससे निर्णय लेने पर प्रभाव पड़ा। विरोध का मूल उद्देश्य सरकार को उन्हें उनकी शर्तों पर रिहा करने के लिए मजबूर करना था। उनके आह्वान पर, पाकिस्तान के सभी हिस्सों से काफिले इस्लामाबाद में जुटने लगे, जिनमें से एक का नेतृत्व उनकी पत्नी ने भी किया। सरकार ने दबाव बनाने के लिए, काफिले धीमी गति से आगे बढ़े और अपने सामने आने वाली हर बाधा को पार किया। तैनात पुलिस को पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। सेना द्वारा समर्थित राज्य ने विरोध प्रदर्शनों को रोकने के लिए सभी प्रयास किए, जिसमें कंटेनर लगाना, विरोध प्रदर्शनों को अवैध घोषित करना और अर्धसैनिक बलों को नियुक्त करना शामिल है। कई पीटीआई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, मीडिया कवरेज को प्रतिबंधित किया गया है और इंटरनेट और सोशल मीडिया को भी ब्लॉक किया गया है। सरकार विरोध प्रदर्शनों को रोकने की उम्मीद में इस्लामाबाद को देश के बाकी हिस्सों से अलग-थलग करती दिख रही है। इससे आर्थिक नुकसान बढ़ रहा है। खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम में सांप्रदायिक हिंसा में बढ़ते हताहतों को नजरअंदाज करते हुए देश का ध्यान इस्लामाबाद पर केंद्रित हो गया है।

प्रदर्शनकारी इस्लामाबाद के रेड जोन में स्थित डी चौक में एकत्रित हो रहे हैं, जहां राष्ट्रपति कार्यालय, प्रधानमंत्री कार्यालय, नेशनल असेंबली, सुप्रीम कोर्ट और राजनयिक एन्क्लेव जैसे सरकारी संस्थान स्थित हैं। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, उन्हें इस क्षेत्र में ही रहना है। यह देखना बाकी है कि इसका क्या नतीजा निकलता है। पाकिस्तान की सेना और मौजूदा सरकार दोनों को ही पीछे धकेल दिया गया है। ऐसे विरोध प्रदर्शनों को रोकना आसान नहीं है। निहत्थे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ हिंसा के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग हताहत हो सकते हैं, साथ ही उन्हें अपनी पसंद की जगह पर इकट्ठा होने की अनुमति देना भी उल्टा हो सकता है। विरोध प्रदर्शनों को दूसरे क्षेत्र में ले जाने का विकल्प है, जिससे सरकारी कामकाज में बाधा न आए। हालांकि यह सफल होगा या नहीं, यह देखना बाकी है। बैकचैनल वार्ता विफल होती दिख रही है। पीटीआई समर्थकों के बड़े पैमाने पर आंदोलन ने पहले ही वैश्विक ध्यान आकर्षित कर लिया है। अमेरिका ने दोनों पक्षों से संयम बरतने का आह्वान किया है। इस तरह के विरोध प्रदर्शन सिर्फ एक आह्वान से नहीं होते, जैसा कि इमरान ने किया था। इस तरह के आह्वान तत्काल हिंसा के लिए कारगर होते हैं। विरोध प्रदर्शन, खासकर जब हजारों लोगों को लंबी दूरी तक ले जाने वाले काफिले में संगठन, समन्वय और साथ ही भारी मात्रा में धन की जरूरत होती है। प्रदर्शनकारियों को (मौसम को देखते हुए) आवास, भोजन और किसी न किसी रूप में उनके प्रयासों के लिए भुगतान किया जाना चाहिए। विरोध में भाग लेने वाले लोग इमरान के कट्टर फॉलोवर्स हो सकते हैं, लेकिन वे यह भी जानते हैं कि राज्य की प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप गिरफ्तारियां हो सकती हैं, जान या अंग की हानि हो सकती है और विरोध प्रदर्शन के दौरान आय भी नहीं होगी। इसलिए, उन्हें प्रेरणा से ज्यादा की जरूरत है। उन्हें मुआवजा दिया जाना चाहिए। भारत ने 2020 के किसान आंदोलन के दौरान भी यही देखा, जहां उत्तरी अमेरिका में स्थित भारत विरोधी संगठनों से बड़े पैमाने पर धन प्राप्त हुआ। न तो इमरान खान और न ही उनकी पार्टी के सदस्य इन विरोध प्रदर्शनों के आयोजन में अपना पैसा लगाएंगे, क्योंकि सफलता की संभावना हमेशा संदिग्ध होती है। इसके अलावा सीधी भागीदारी और उसके बाद की विफलता उनके राजनीतिक करियर के अंत का संकेत दे सकती है। हो सकता है कि इमरान ने अभी आह्वान किया हो, लेकिन योजना पहले से ही चल रही होगी। सवाल यह है कि ये फंड कहां से आ रहे हैं। इमरान खान ने ट्वीट किया था, 'मैं दुनियाभर में रहने वाले प्रवासी पाकिस्तानियों का शुक्रिया अदा करता हूं, जो न सिर्फ पाकिस्तानियों को संगठित कर रहे हैं और फंड दे रहे हैं, बल्कि अपने-अपने देशों में ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन भी कर रहे हैं।' यह स्पष्ट है कि फंड ऐसे सोर्स से आना चाहिए, जो पाकिस्तान में अराजकता के दौर में लाभ उठाए, और इमरान के राष्ट्राध्यक्ष बनने पर भी लाभ उठाए। फिर वह देश है, जिस पर पाकिस्तान नेतृत्व सबसे पहले आरोप लगाएगा। सच तो यह है कि इमरान के कार्यकाल में भारत-पाक संबंधों में गिरावट बढ़ी है। इमरान ने ही उच्चायुक्तों को वापस बुलाया और बातचीत फिर से शुरू करने के लिए अनुच्छेद 370 को बहाल करने जैसी अस्वीकार्य शर्तें रखीं। इसलिए भारत को इमरान से कोई लगाव नहीं है। इसके अलावा, भारत के लिए पाकिस्तान में अराजकता अच्छी बात नहीं है। न ही चीन या पश्चिम एशिया के देश चाहेंगे कि पाकिस्तान में अशांति बनी रहे। पाकिस्तान में अस्थिरता चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) के लिए खतरे को बढ़ाती है, जिसे मुख्य रूप से चीन द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। विरोध को रोकने में सरकारी मशीनरी के शामिल होने से विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत चीनी नागरिकों पर और अधिक हमलों के लिए दरवाजे खुल जाते हैं। हालांकि, निहित स्वार्थ सीपीईसी की विफलता सुनिश्चित करने या पाकिस्तान से बाहर निकलने के लिए मजबूर करके चीन को शर्मिंदा करने के लिए काम कर रहे हैं। पाकिस्तान में उथल-पुथल, चीन की बदनामी और दक्षिण एशिया में असुरक्षा की स्थिति पैदा करने से एकमात्र संस्था जो लाभान्वित होगी, वह है अमेरिका स्थित डीप स्टेट। डीप स्टेट, कई प्रयासों के बावजूद, भारत में नेतृत्व बदलने और देश में अराजकता के स्तर को बढ़ाने में विफल रहा है। सरकार द्वारा इसके प्रयासों को बार-बार रोका गया है। रणनीति में बदलाव भारत के पड़ोस में अनिश्चितता को बढ़ा सकता है, जिससे इसकी सुरक्षा चिंताएं बढ़ सकती हैं। फिर यह भारत को निशाना बनाने के लिए इसका फायदा उठा सकता है। बांग्लादेश में अपने प्रयासों में वह सफल रहा है, उसने भारत समर्थक शेख हसीना शासन को उखाड़ फेंका, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में कठपुतली सरकार स्थापित की, जो बढ़ते इस्लामीकरण और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने पर नियंत्रण करने में विफल रही है। बांग्लादेश में उथल-पुथल और बढ़ती नफरत और हिंसा को नियंत्रित करने में लगी उसकी सेना के साथ, भारत की सीमा से लगे क्षेत्र अब भारत के उत्तर पूर्व में अशांति बढ़ाने के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन सकते हैं। देश के भीतर बढ़ती गरीबी के साथ, भारत में अवैध प्रवास बढ़ेगा, जिससे भारत की जनसांख्यिकी बदल जाएगी।

जब रिश्ते दूर हों, तो खुद से करें दोस्ती...

सुप्रिया सत्यार्थी

जीवन में कुछ ही लोग होते हैं जिनसे हम बेझिझक अपनी बात कह सकते हैं। उनसे मिलने पर मन को एक अजीब-सा सुकून मिलता है। लगता है जैसे अपने भीतर की हर बात खुलकर साझा कर सकते हैं। जब तक ये लोग साथ रहते हैं, हमें लगता है जैसे हमारी दुनिया में कोई ऐसा है जो हमें समझता है। मगर जैसे-जैसे समय बीतता है, उम्र बढ़ती है और अनुभवों का भंडार गहरा होता जाता है, वैसे-वैसे ये संबंध भी बदलने लगते हैं। एक समय था जब बातों का सिलसिला बिना रुके चलता रहता था, जहां किसी मुद्दे पर घंटों बातें की जा सकती थीं। अब वही बातें, वही रिश्ते धीरे-धीरे सिमटते जा रहे हैं। किसी से बात करते हुए हम अक्सर 'हां', 'हूं', या 'ठीक है' जैसे शब्दों में ही सीमित हो जाते हैं। समय के साथ हमारे पास मिलने-जुलने का समय भी सीमित होता जाता है। दोस्ती जो कभी विस्तृत थी, अब अपने दायरे में सीमित हो रही है। जिन मुद्दों पर हम बेझिझक घंटों बहस कर सकते थे, अब वही बातें महज औपचारिकता में बदल रही हैं। जब रिश्तों में इतनी दूरी आ रही है, तो उनसे कोई अपेक्षा रखना निरर्थक है। ऐसा महसूस होने लगता है जैसे हमारी भावनाओं को समझने वाला अब कोई नहीं है और ऐसी स्थिति में हम खुद ही अपने सुख-दुख का संबल बन जाते हैं। इसके बाद जो खामोशी आती है, वह धीरे-धीरे हमारे जीवन का हिस्सा बन जाती है। हम ऐसा मान लेते हैं कि अपनी बातों को साझा करना अब मुमकिन नहीं है। यह खामोशी हमारे अंदर की एक ऐसी स्थिति होती है, जहां हम दूसरों से ज्यादा अपने आप से बातें करते हैं। अपने विचारों और भावनाओं में खुद को ढूंढ़ने लगते हैं। शायद यही कारण है कि हम अपनी बातों को, खुशियों को और अपने दुखों को अंदर ही अंदर समेटकर रह जाते हैं। कोई हमें समझे या न समझे, हमें उससे फर्क पड़ना बंद हो जाता है। यह बदलाव हमें शांत, गंभीर और एक तरह की तटस्थता की ओर ले जाता है। हमारे भीतर धीरे-धीरे एक ऐसा भाव पैदा होता है जहां हम दूसरों के दृष्टिकोण का सम्मान करना सीख जाते हैं। भले ही हम अपने विचारों में सही हों, फिर भी हम सोचते हैं कि सामने वाला अपने नजरिये से सही होगा। किसी भी विवाद में अपनी बात को सही साबित करने की इच्छा हमें अब उतना संतोष नहीं देती। यह अनुभव सिखाता है कि रिश्तों को निभाने के लिए खुद को थोड़ा झुकाना पड़ता है। लेकिन कई बार यह झुकाव भी संबंधों को पूरी तरह बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं होता। हम अपने आप को बदलने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब सामने वाला हमारी भावनाओं को न समझे तो एक दिन यह अहसास होता है कि रिश्ते भी एक समय के बाद खोखले हो जाते हैं। बढ़ती उम्र और अनुभव हमें एक गहरी खामोशी की ओर ले जाते हैं, जहां किसी से अपेक्षा रखना, अपने मन की बात साझा करना हमें व्यर्थ लगने लगता है। हमें यह अहसास होता है कि जिनसे हमने कभी अपने रिश्तों पर गर्व किया था, वे अब दूर हो चुके हैं। हम समझते हैं कि इन रिश्तों का आधार अब पहले जैसा नहीं रहा। एक समय था जब हम अपने करीबी लोगों से उम्मीद रखते थे, लेकिन अब हमें यह समझ आने लगता है कि ये अपेक्षाएं ही हमें दुखी करती हैं। इस बदलाव के साथ ही हमें यह भी समझ में आता है कि जीवन में सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता हमारा खुद से है। जब हर कोई हमसे दूर हो जाता है, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि हम अपने सबसे अच्छे दोस्त खुद हो सकते हैं। अपने आपको स्वीकारना और सराहना ही वह सच्चा सुकून है जो हमें भीतर से मजबूती देता है। जीवन के इस सफर में जब भी मन उदास हो और कोई समझने वाला न हो, तो खुद की पीठ थपथपाना जरूरी हो जाता है। यह अहसास करना कि हम अपने जीवन के सबसे महत्त्वपूर्ण व्यक्ति हैं और दुनिया में सबसे ज्यादा प्रेम का हकदार खुद हैं। अपनी खुशियों और अपने दुखों को खुद समझना, उन्हें खुद संभालना ही असली ताकत है। जीवन में आत्मनिर्भरता का यह भाव हमें भीतर से मजबूत बनाता है। यह हमें सिखाता है कि हमें किसी और पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। जब तक हम दूसरों से उम्मीद करते हैं, तब तक हम अपने आप को कमजोर बना देते हैं।

खेती की दिक्कतों से निपटेंगे कवच लगे बीज

विश्व में तापमान में वृद्धि के साथ कृषि को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जलवायु परिवर्तन से सूखा पड़ने की घटनाएं बढ़ेंगी और कुछ भूमि कृषि योग्य नहीं रह पाएगी। इसके अलावा फर्टिलाइजर और अन्य कृषि रसायनों के उत्पादन का विस्तार किए बिना बढ़ती आबादी के लिए भोजन का इंतजाम करना भी मुश्किल होगा। मुश्किल यह है कि फर्टिलाइजर का उत्पादन बढ़ाने से कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ेगा, जो ग्लोबल वॉर्मिंग में योगदान दे रहा है। अब अमेरिका में एमआईटी के वैज्ञानिक इन मुद्दों को विभिन्न कोणों से हल कर रहे हैं। वैज्ञानिक ऐसे पौधों के विकास में लगे हैं जो तनाव होने पर अलार्म बजाते हैं और बीजों को सूखे के प्रति अधिक सहनशील बनाते हैं। ये और भविष्य में विकसित होने वाली दूसरी तकनीक जलवायु परिवर्तन से बदलती दुनिया की आबादी को पोषित करने के लिए आवश्यक होंगी। एमआईटी के वैज्ञानिक बेनेडेटो मारेली के मुताबिक पानी के बाद पहली चीज जो हमें चाहिए, वह है भोजन। चूंकि हम 10 अरब लोगों की दुनिया के पोषण के लिए नई रणनीतियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, इसलिए हमें खाद्य पदार्थ उत्पन्न करने के नए तरीके खोजने होंगे। एमआईटी ने हाल ही में जलवायु परियोजना के छह मिशन शुरू किए हैं। मारेली इनमें से एक के निदेशक हैं जो उद्योग को कार्बन रहित करने और प्रतिकूल मौसमी हालात झेलने वाले शहरों के निर्माण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। मारेली सूखे की स्थिति में या पोषक तत्वों से रहित मिट्टी में बीजों को जीवित रहने और अंकुरित होने में मदद करके फसल की पैदावार बढ़ाने के तरीके विकसित कर रहे हैं। इसे हासिल करने के लिए उन्होंने बीजों के लिए रेशम और अन्य पॉलिमर पदार्थ पर आधारित कोटिंग तैयार की है, जो महत्वपूर्ण अंकुरण प्रक्रिया के दौरान बीजों को ढक सकती हैं और उन्हें पोषण दे सकती हैं। स्वस्थ मिट्टी में पौधों को नाइट्रोजन, फॉस्फेट और अन्य पोषक तत्व मिलते हैं। इनमें से कई तत्वों की आपूर्ति मिट्टी में रहने वाले सूक्ष्म जीव करते हैं। सूखे या अत्यधिक खेती से प्रभावित मिट्टी में अक्सर इन पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। मारेली का विचार बीजों को एक ऐसे पॉलिमर से ढकना था, जिसमे पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देने वाले बैक्टीरिया को समाविष्ट किया जा सके। यह बैक्टीरिया हवा से नाइट्रोजन को लेकर इसे पौधों को देता है। ये सूक्ष्म जीव पौधों को अन्य आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध करा सकते हैं। एमआईटी में अपनी लैब में मारेली ने दिखाया कि बीज की कोटिंग अंकुरित पौधों को सूखे, अल्ट्रा वॉयलेट प्रकाश के संपर्क और उच्च लवणता से बचने में मदद कर सकती हैं। मारेली मोरक्को के रिसर्चरों के साथ काम करते हुए वहां की मूल फसलों के लिए इस नई तकनीक को आजमा रहे हैं। मोरक्को ने जलवायु परिवर्तन से जुड़ी वर्षा में गिरावट के कारण लगातार छह वर्षों तक सूखे का सामना किया है। इन अध्ययनों के लिए रिसर्चर रेशम के बजाय खाद्य अपशिष्ट से प्राप्त बायोपॉलिमर कोटिंग का उपयोग कर रहे हैं, जो मोरक्को में आसानी से मिल जाती है। रिसर्चर बायोपॉलिमर निकालने के लिए स्थानीय लोगों के साथ काम कर रहे हैं। वे एक ऐसी प्रक्रिया विकसित करने की कोशिश कर रहे हैं जो बड़े पैमाने पर काम कर सके। एमआईटी के रिसर्चरों का एक मकसद फर्टिलाइजर उत्पादन में कार्बन फुटप्रिंट कम करना भी है। सिंथेटिक फर्टिलाइजर अधिकांश खेतों के लिए जरूरी है, लेकिन इसका इस्तेमाल महंगा है और पर्यावरण पर इसके गंभीर प्रभाव पड़ते हैं। दुनिया में ज्यादातर फर्टिलाइजर का उत्पादन हैबर-बॉश प्रॉसेस का उपयोग करके किया जाता है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5434

			7		9		2	
		9	2	1	6			5
5			8		4			
	6					4		
3	7			4			6	1
		2					5	
			9					3
7			3	8	5	2		
	3		4		1			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5433

8	5	3	2	4	1	6	9	7
9	4	2	6	5	7	8	1	3
1	7	6	9	8	3	2	4	5
5	6	9	4	7	2	1	3	8
2	3	4	8	1	5	9	7	6
7	8	1	3	6	9	4	5	2
6	9	7	5	2	4	3	8	1
4	2	5	1	3	8	7	6	9
3	1	8	7	9	6	5	2	4

वर्ग पहेली 5434

संकेत: बाएं से दाएं
1. सितंबर 1927 को इस बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी और प्रसिद्ध साहित्यकार ने जन्म लिया था इस साहित्यकार ने पूर्व प्रसारित धारावाहिक महाभारत की पटकथा लिखी थी (7)
7. हल्का बुखार, ज्वर अनुभूति (4)
8. वायु द्वारा उत्पन्न (3)
10. निखार, धूप, [illegible] (2)
11. मानवीय, पौरुषेय, मनुष्यिक (3)
13. सिवार, कुंतल, [illegible] (3)
14. अभ्युदय काल, उन्नति के दिन, वैभव काल (2)
15. संगीत में स्वरों का राग सहित उच्चारण, संभाषण, लंबी तान (3)
16. इस अभिनेत्री ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (4)
18. तीन, तिकड़ा (संस्कृत) (2)
20. [illegible], जो थक चुका हो (2)
22. द्वेष (2)
23. हथेली पर जल लेकर मंत्रपूर्वक पढ़ते हुए पीना (4)

संकेत: ऊपर से नीचे
1. [illegible] का यह शहर [illegible] का निवासी है (6)
2. [illegible] (2)
3. रेडियो (वायरलेस) के आविष्कारक (4)
4. भाग, [illegible] (2)
5. [illegible] (6)
6. [illegible] (2)
9. [illegible] मजबूती से पकड़ना (4)
12. वाराणसी से करीब 6 किमी उत्तरपूर्व में बौद्धों का एक तीर्थस्थल जिसे सारंगनाथ भी कहते हैं (4)
15. [illegible] प्रविष्ट (2)
17. पूर्णिमा की रात को यह भी कहा जाता है (2)
19. भरोसा, विश्वास, ऐतबार (3)
21. अनुसंधान, [illegible], जांचने की क्रिया या भाव (2)

वर्ग पहेली 5433 का हल

अ	मृ	ता	प्री	त	म	■	की
ब	ग	ङ	■	ङ	ह	मा	न
मा	मा	■	ता	फ	ल	ता	■
न	■	आ	मा	दा	■	■	ति
ता	न	■	ग	ई	ही	■	रा
■	ज	न	ता	■	ठ	ग	ना
कु	श	न	■	हां	■	ज	■
■	मा	द	ना	■	प	स	त

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता रैली निकाली, मानव श्रृंखला बनाई

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला एडस नियंत्रण समिति के नोडल अधिकारी डॉ. निशांत शर्मा द्वारा बताया गया कि विश्वत एड्स दिवस पर रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन जिला चिकित्सालय परिसर में किया गया। विश्व एड स दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम अधिकारों की राह अपनाऍं – मेरा स्वास्थ्य , मेरा अधिकार का तात्पर्य कि स्वास्थ्य प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है के परिपेक्ष्य में जिला एडस रोकथाम एवं नियंत्रण इकाई एवं मेडिकल कालेज के संयुक्त समन्वय से आमजन को जागरूक करने हेतु जिला चिकित्सालय परिसर से जागरूकता रैली एवं मावन श्रृखला का कार्यक्रम आयोजित किया गया।

रैली को मंदसौर विधायक श्री विपीन जैन विधायक एवं पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया द्वारा हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जिला मिडिया अधिकारी डॉ. एम एल कश्यप के द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि उक्त रैली में मुख्यि अतिथि शहर के गणमान्य जनप्रतिनिधि, अधिष्ठाता सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सालय महाविद्यालय डॉ. शशी गांधी, मुख्य चिकित्सु एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान, नोडल अधिकारी डॉ. निशांत शर्मा, प्रभारी एआरटी सेंटर डॉ. कमलेश कुमावत, श्री राजेश रजक सी.एस.ओ., सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सकगण, शासकीय एवं निजी नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राएं एवं जिला चिकित्सालय मंदसौर के अन्य स्टाफ रैली में सम्मिलित थे। गांधी चौराहा पर मानव श्रृंखला बनाकर आमजन को बचाव का संदेश दिया। एचआईवी एडस होने के कारणों पर एक नुक्कड नाटक का मंचन सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के स्टुडेन्ट एवं शासकीय नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा किया गया। विधायक श्री विपीन जैन ने कहा कि जागरूकता ही एड स से बचाव है, जिले में निरंतर प्रचार प्रसार की गतिविधियॉ होती रहनी चाहिए। जिससे अधिक से अधिक लोगो से एच.आई.वी./ एडके विषय में जानकारी पहुचे। अधिष्ठपता डॉ. गॉधी मेडिकल कॉलेज ने एच.आई.वी./ एड के चार कारण, बचाव एवं उपचार के विषय में विस्तार से बतलाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि जिले में 6 आई.सी.टी.सी., 38 एफ.आई.सी.टी.सी.,ए.आर.टी., यौन रोग क्लीनिक व अन्य कार्यक्रम संचालित हैजो निरंतर एच.आई.वी./ एड की रोकथाम हेतु कार्य कर रहे है। नोडल अधिकारी डॉ. निशांत शर्मा ने बतलाया कि जिले में एच.आई.वी./ एड की जागरूकता हेतु एक सप्ताह तक प्रचार प्रसार की गतिविधियॉ आयोजित होती रहेगी। एच.आई.वी./ एडकी जानकारी हेतु 1097 डायल कर भी ली जा सकती है। विधायक श्री जैन द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को शपथ दिलाई कि एच.आई.वी./एडके प्रति एकजुट होकर खत्म करने का प्रयास करेगे एवं संक्रमित व्यक्तियों के प्रति सम्मान का भाव रखेगे। कार्यक्रम स्थल पर प्रर्दशनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों को रेड रिवन लगाकर सम्मान किया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों का आभार डॉ. कमलेश कुमावत ने व्यक्त किया गया।

एडिफाई शिशुवन स्कूल का वार्षिक उत्सव संपन्न

मुंबई आतंकी हमले की वर्षगांठ पर अभिभावकों व विद्यार्थियों ने दी श्रद्धांजलि

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विगत 26 एवं 27 नवंबर को नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय एडिफाई एवं शिशुवन स्कूल का दो दिवसीय वार्षिकोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस वर्ष वार्षिक उत्सव की थीम अभिव्यक्ति रही और इसलिए इस वर्ष इसका नाम अभिव्यक्ति 2024 दिया गया। कार्यक्रम में स्कूल के लगभग 1600 से अधिक छात्र - छात्रओं और 5000 से अधिक अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

26 नवंबर को मंदसौर कलेक्टर आईएएस श्रीमती अदिति गर्ग एवं 27 नवंबर को जिला पुलिस अधीक्षक आईपीएस अभिषेक आनंद ने आतिथ्य प्रदान करते हुए दीप प्रज्ञवलन कर माँ सरस्वती की वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महोदया श्रीमती अदिति गर्ग ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में छात्रों को उनके उज्ञवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं एवं जिला पुलिस अधीक्षक आईपीएस अभिषेक आनंद ने विद्यालय की कार्य प्रणाली की प्रशंसा करते हुए बच्चों के उज्ञवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के प्राचार्य डॉ.आदित्य कुमार ने उपस्थित अतिथियों संस्था प्रमुख, एडवाइजरी मेंबर एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त कर विद्यालय की उपलब्धियों और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर 26/11 मुंबई आतंकी हमले की 16वीं वर्षगांठ पर शहीद हुए पुलिसकर्मियों को दोनों दिनों तक दो मिनिट का मौन रखकर खडे होकर श्रद्धांजलि दी गई।

आंखों से आंसू नहीं रोक पायें अभिभावक– एडिफाय स्कूल के छात्र - छात्राओं द्वारा नृत्य के माध्यम से आज के पारिवारिक परिवेश की प्रस्तुति दी। जिसे देख सामने बैठे अभिभावकगण अपनी आंखों से आंसू नहीं रोक पायें। बच्चों ने इस प्रस्तुति के माध्यम से बताया कि आज के समय कैसे बच्चे अपने माता - पिता से दूर हो रहे। बच्चों की इस शानदार प्रस्तुति की खूब सराहना हुई। देश भक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों को भी खूब सराहा गया। इसके अतिरिक्त बच्चों द्वारा नृत्य और संगीत की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। विशेष रूप से बाल कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति कठपुतली नृत्य, कालबेलिया नृत्य, गंगा आरती और नवदुर्गा की आकर्षक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

जंक फूड से होने वाले दुष्परिणामों को बताया– वार्षिकोत्सव के दौरान बच्चों ने अपनी एक प्रस्तुति में जंक फूड (फास्ट फूड) से होने वाले दुष्परिणामों को बताया बच्चों ने इस प्रस्तुति में बताया कि जंक फूड खाने से किस प्रकार शरीर को नुकसान पहुंचता है और भविष्य में कैंसर जैसी घातक बिमारियों हो सकती है। इसलिए इन्हें नहीं खाना चाहिए।

नन्हें मुन्ने बच्चों ने की एकरिंग– बच्चों में स्टेज पर बोलने का भय रहता है यही भय उनके मन से निकले इसलिए एडिफाय स्कूल के संचालकों ने नन्हें मुन्ने बच्चों से एकरिंग करवाई। बच्चों ने भी शानदार एकरिंग कर सबका मनमोह लिया। इस अवसर पर शैक्षणिक और सहशैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सुराना ग्रुप द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कार्यक्रम को अद्वितीय और यादगार बताया। एडिफाई स्कूल का यह वार्षिक उत्सव छात्रों के सर्वांगीण विकास और उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का एक आदर्श उदाहरण रहा। संपूर्ण कार्यक्रम में संस्था प्रमुख विजय सुराना ,मयूर सुराना एवं आदित्य सुराना सह परिवार उपस्थित थे।

विश्व एड्स दिवस : जागरूकता ही इसका उपचार

मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों ने ली शपथ, सिविल अस्पताल का एक्सपोजर विजिट

सीतामऊ, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा आज विश्व एड दिवस पर सीविल अस्पताल सीतामऊ्मे मानव श्रृंखला बनाकर शपथ लेकर प्रयोगशाला के गांव में लोगों को जागरूक करने हेतु जिम्मेदारी ली है। इस अवसर पर डॉ अर्जुन अटोलिया ,डॉ राहुल पाटीदार, बंटी दाहिमा आईसीटीसी काउंसलर, आई सी टी सी टेक्नीशियन राजेश कुमार चंद्रवंशी, रत्नेश पाटीदार एवं लिंक वर्कर परियोजना से लिंक वर्कर संगीता राठौर, रीना चंद्रावत ने जानकारी देते हुए बताया की एचआईवी मुख्य रूप से असुरक्षित यौन संबंध ,संक्रमित सुई, संक्रमित गर्भवती मां एवं संक्रमित रक्त से एचआईवी की संभावना बढ जाती है। जागरूकता ही इसका उपचार है। इस अवसर पर परामर्शदाता हरिओम गंधर्व ने बताया कि सीतामऊविकासखंड में 300 से अधिक एचआईवी के संक्रमित हैं। इसके लिए गांव-गांव मे जागरूकता की आवश्यकता है। साथी ही एचआईवी के बारे में 1097 पर कॉल करके भी जानकारी ले सकते हैं । एचआईवी संक्रमित व्यक्ति से कभी भी भेदभाव नहीं किया जाता है। विकासखंड समन्वयक नारायणसिंह निनामा एवं परामर्शदाता हेमंत गौड ने बताया कि सभी विद्यार्थियों को एक असाइनमेंट के रूप में हमें गांव में काम करना है। परामर्शदाता चरणसिंह चौहान एवं सत्यनारायण प्रजापत ने भी जानकारी दी। इस अवसर पर रमा पाटीदार सुमन, कुसुम ,पायल, शिवकन्या, विनोद महेश, प्रदीप ,संगीता सहित बीएसडब्ल्यू, एमएसडब्ल्यू के विद्यार्थी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम की कक्षा में हिरवे बाजार की कहानी का चित्रण किया गया। जिसमें पोपटराव पंवार के कार्यों को बच्चों ने सहारा। साथ ही सामाजिक सामाजिक कार्यों को करने में समाज के हम भूमिका को लेकर चर्चा की गई।

जिम्मेदारी की भावना अभियान के तहत रसोई प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 5 मार्च 2024 को पेट्रोलियम विपणन कंपनियों द्वारा शुरू किए गए 'बेसिक सेफ्टी चेक अभियान' का उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक Haushholds को door-to-door निरीक्षण के माध्यम से कवर करना था, जिसमें प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा एलपीजी (LPG) उपकरणों में किसी भी सुरक्षा खतरों का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण ग्राहकों के लिए नि:शुल्क था, और पुराने या गैर-मानक होस को प्रतिस्थापित करने के लिए छूट दी गई थी। अब तक 8 करोड़ से अधिक कर्रीहहश्रिवी का निरीक्षण किया जा चुका है, जिससे लगभग 3.5 करोड़ होसेस को बदलने का कार्य किया गया है।

इस अभियान के तहत 1 दिसंबर 2024 को होटल देव रेजीडेंसी, मंदसौर पर पेट्रोलियम विपणन कंपनियों द्वारा 'हमारी रसोई हमारी जिम्मेदारी' विषय के तहत एक रसोई प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एलपीजी के सुरक्षित उपयोग और रसोई में सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था, साथ ही साथ रचनात्मक पाक कौशल का सम्मान करना था। प्रतियोगिता में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने एलपीजी के सुरक्षित उपयोग के दौरान अपनी पाक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक टीम में प्रो, उषा अग्रवाल, श्री लोकेश एवं श्री रामपाल, होटल देव रेजीडेंसी शामिल थे, जिन्होंने प्रतिभागियों का मूल्यांकन एलपीजी सुरक्षा, पकवान की गुणवत्ता, प्रस्तुति और सफाई के आधार पर किया। प्रतियोगिता के विजेता प्रथम श्रीमती ममता सेठिया , द्वितीय श्रीमती रश्मि बाफना, तृतीय श्रीमती पुष्पलता जोशी रही। प्रतिभागियों और दर्शकों पर रसोई में जिम्मेदार तरीके से एलपीजी के उपयोग के महत्व को लेकर जानकारी दी गई। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों, निर्णायक और उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योगदान दिया और सुरक्षा व जागरूकता बढ़ाने के अभियान के मिशन को आगे बढ़ाया।

भारतीय मजदूर संघ मंदसौर ने किया श्रमिक संपर्क अभियान का शुभारंभ

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय मजदूर संघ मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशन में पूरे प्रदेश में दिनांक 01 दिसबंर से दिनांक 15 दिसंबर 2024 तक श्रमिक संपर्क अभियान चलाया जा रहा है मंदसौर जिले में शुभारंभ आज दिनॉंक 01 दिसबंर 2024 दिन रविवार को भारतीय मजदूर संघ मंदसौर के द्वारा रानी लक्ष्मीबाई चौराहा संजीत रोड मंदसौर पर असंगठित मजदूरों/श्रमिकों से संपर्क किया गया इस संपर्क अभियान में भारतीय मजदूर संघ विभाग प्रमुख श्री गोपाल जामलिया के नेतृत्व में, जिला अध्यक्ष श्री राकेष शर्मा, उपाध्यक्ष श्री प्रदीप झा एवं संदीप शक्तावत, जिला मंत्री श्री ललित पाल, कार्यालय मंत्री श्री सुरतराम नागर , दिनेश पवार कार्य समिति सदस्य, पूर्व जिलाध्यक्ष श्रवण त्रिपाठी, आमंत्रित सदस्य श्री अषोक रामावत व अनिल श्रौत्रिय, श्री भूपेष पाण्डे व अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

पीएम कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस मंदसौर की रासेयो एवं रेड रिबन क्लब द्वारा...

एड्स जागरूकता पर नुक्कड़ नाटक सम्पन्न

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता ने बताया कि मध्यप्रदेश राज्य एड नियंत्रण समिति एवं उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन के निर्देशानुसार महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं रेड रिबन क्लब द्वारा विश्व एड दिवस के अवसर पर शहरवासियों को एडजागरूकता हेतु नुक्कड नाटक एवं रैली का आयोजन कर जागरूक किया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य के निर्देशन में रासेयो इकाई एवं रेड रिबन क्लब के विद्यार्थियों ने श्रीकोल्ड एवं गांधी चौराहे पर नुक्कड नाटक का आयोजन कर लोगों को एड के प्रति जागरूक किया तथा महाविद्यालय से गांधी चौराहे तक एड जागरूकता रैली का आयोजन किया। विद्यार्थियों ने नुक्कड नाटक के द्वारा शहरवासियों को सन्देश दिया कि एड एक लाइलाज बीमारी है। किंतु चिकित्सकीय परामर्श एवं उचित दवाई के साथ एडपीड़ित व्यक्ति भी एक अच्छा जीवन जी सकता है। एच.आई.वी. मानव में ही पाया जाता है। इसके फैलने के चार कारण है। 1. असुरक्षित यौन संबंध बनाने से, 2.एच.आई.वी. संक्रमित सुई या सिरिंज के साझा उपयोग से, 3.एच.आई.वी. संक्रमित मां से होने वाले शिशु को 4. एच.आई.वी. संक्रमित रक्त से एड फैलता है। नुक्कड नाटक के आयोजन में रासेयो स्वयंसेवक रविराज शर्मा, सुधांशु भावसार, देवांशु नलवाया, खुशबू परिहार, प्रखर दूबे, राहुल एवं राज लिलोरिया ने प्रमुख भूमिका निभाई।

विधिक जागरूकता शिविर सम्पन्न

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024–25 के अनुपालन में तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन एवं जिला न्यायाधीश/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में अंतरराष्ट्रीय एड दिवस के अवसर पर ग्राम पानपुर, मंदसौर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा गैर सरकारी संगठन उड़ान ,पुलिस विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । शिविर को संबोधित करते हुए जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार ने एचआईवी/एडके फैलने के विभिन्न कारणों पर प्रकाश डाला।

स्वच्छता को स्वभाव बनाना होगा–खान

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वच्छता का हमारे स्वास्थ्य व हमारी समृद्धि से सीधा सम्बन्ध होता है। यदि हमारे आसपास गंदगी रहेगी तो हम स्वस्थ नहीं रह पाएंगे और यदि हम स्वस्थ नहीं होंगे तो हमारी समृद्धि भी संभव नहीं होगी। हो सकता है किसी को यह साधारण बात लगे किंतु हमारे सुखी, स्वस्थ व समृद्ध जीवन के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। स्वच्छता के भाव को हमें हमारे स्वभाव का एक अनिवार्य अंग बनाना होगा। जिस प्रकार से हम हमारे घर के अन्दर साफ सफाई रखते हैं ठीक उसी प्रकार से हमें हमारे घर के बाहर व आसपास साफ सफाई रखनी होगी तभी हम अपने मन्दसौर नगर को 'स्वच्छ व स्वस्थ मन्दसौर' बना पाएंगे। उक्त बात स्वच्छता एंबेसेडर अजीजुल्लाह खान ने कही। वे अनुराग संस्था द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को स्वच्छता, पर्यावरण व जल संवर्धन को लेकर निकाली जाने वाली जनजागरण पदयात्रा के अवसर पर अपनी भावना व्यक्त कर रहे थे। अनुराग जनजागरूकता पद यात्रा में श्रीचंद भावनानी, रामचंद्र रैकवार, सत्यनारायण सरगरा, महेश शर्मा, रमेश सोनी, इंजी. सुनील व्यास, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, इंजी. एस के जैन, बंशीलाल टांक, अनिल श्रोत्रिय आदि गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। संचालन गोपालकृष्ण पंचारिया ने किया।

भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के दर्शन करने का बार-बार मन करता है

राज्यसभा सांसद एवं संत श्री बाल योगी उमेश नाथ महाराज का भक्तों ने किया स्वागत

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय संत बाल योगी श्री उमेशनाथ महाराज ने भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की पूजा अर्चना कर मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सनातन की विशेष धरोवर भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव को प्रमाण करने के लिए वे यहॉं आये हैं। आपने कहा कि जैसे पशुपतिनाथ जी सारे पशुओं की सुरक्षा करते है वैसे ही मानव मात्र की सुरक्षा करे ओर रक्षा करे यही विनती भगवान से की है। महाराज श्री के साथ भरतरी गुफा उज्ञैन के पीर महंत योगी श्री रामनाथ जी महाराज भी साथ थे। राज्यसभा सांसद की पशुपतिनाथ पर अगवानी ओर स्वागत श्री हरि कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार नरेंद्र अग्रवाल ने किया।

श्री उमेशनाथ महाराज ने कहा कि भगवान श्री पशुपतिनाथ की महिमा निराली है। उज्ञैन में महाकाल विराजे हैं तो मंदसौर में पशुपतिनाथ विराजे हैं यहां आकर पशुपतिनाथ के दर्शन करने का मन बार-बार करता है। महाराज श्री ने कहा कि समाज में सामाजिक समरसता निरंतर बनी रहे हमारा यही लक्ष्य रहता। उसके साथ साथ राष्ट्र में सनातन परंपरा भी सुरक्षित रहे। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी सनातन परंपरा को अक्षुण बनाए रखने के लिए सतत प्रयत्नशील है। प्रधानमंत्री मोदी जी की विचारधारा उंची है वह कहते हैं कि सबका साथ सबका विश्वास और सबका विकास तो वह सिर्फ वाणी से है नही बल्कि कार्य से भी है। आपने कहा कि भारत प्राचीन काल से विश्व गुरु रहा है तो आज भी विश्व गुरु बनकर बड़ी सोच रखता है।हमारे एक साधु को बांग्लादेश में सिर्फ सनातन धर्म का प्रचार करने को लेकर जेल में बंद कर दिया है जबकि हमारी सोच सर्वे भवंतु सुखिना ओर वसुदेव कुटुंब की परंपरा है। हमारे यहां जब कोई एनआरआई आता है तो उसे विशेष सुविधा और अतिथि का दर्जा दिया जाता है। आपने कहा कि बांग्लादेश की शेख हसीना को ही ले ले हमारे यहां 5 अगस्त से सुरक्षा सहित निवास कर रही है।उनकी सोच और हमारी सोच में कितना अंतर है। राज्यसभा सांसद एवं संत श्री का स्वागत श्री हरि कथा आयोजन समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार श्री नरेंद्र अग्रवाल, वैश्य महासम्मेलन जिला इकाई मंदसौर के अध्यक्ष श्री जगदीश चंद्र चौधरी , अग्रवाल समाज देसी पंचायत के महामंत्री हेमंत अग्रवाल, समाज समाजसेवी प्रदीप भाटी, मारवाडी युवा मंच के उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल, डॉक्टर आशीष अग्रवाल ,भाजपा नेता राजेश गुर्जर ,मेला सभापति प्रतिनिधि बब्बू पमनानी, पार्षद प्रतिनिधि विक्रम बैरवा ,सहित बड़ी संख्या में गणमान्य जनो ने किया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् मन्दसौर (म.प्र)

क्रमांक 2704/नामातंरण/2024

नामातंरण विज्ञप्ति

मन्दसौर दिनांक 29.11.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय को निम्नलिखित भवनों/ भूमियों पर नामातंरण हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिस किसी को इन आवेदनो पर आपत्ति हो तो उक्त विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर आपत्ति मय ठोस दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा तथा नियमानुसार नामातंरण की कार्यवाही की जावेगी। सूचित हो।

क्र.	प्रकरण क्र.	मोहल्ला	वार्ड नं.	प्लाट/ मकान नं.	नगर पालिका रिकार्ड में दर्ज नाम	अंतरण कराने वाले का नाम	किसके हक में अंतरण होगा	माध्यम/ आधार
1	1736x7/2024	जंगली हनुमान	12	म.नं. 19 का भाग	रोशनी पिता नंदकिशोर बैरागी	रोशनी पिता नंदकिशोर बैरागी	वंदना पति शैलेन्द्र त्रिवेदी	विक्रय पत्र
2	1737x7/2024	जनता कालोनी	11	प्लांट नं.4 (सर्वे नं. 698 व 700 का भाग)	नाम दर्ज नहीं		मुकेश पिता वासुदेव होतवानी	विक्रय पत्र
3	1738x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. 121 व 122	कालो. दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता व अन्य आदि	कालो. दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता व अन्य आदि	मो. अनीस पिता सुल्तान मो. मंसूरी	विक्रय पत्र
4	1739x7/2024	न्यू आनंद विहार 3	5	प्लांट नं. 35	मोहन झमटमल मेघनानी द्वारा मु.आ. गोपालदास पिता गोविंदराम मेघनानी	मोहन झमटमल मेघनानी द्वारा मु.आ. गोपालदास पिता गोविंदराम मेघनानी	पिंकी पति प्रकाश वाधवानी	विक्रय पत्र
5	1740x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. 117	कालो. दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता व अन्य आदि	कालो. दीपककुमार पिता जड़ावचंद भूता व अन्य आदि	मो. अनीस पिता सुल्तान मो. मंसूरी	विक्रय पत्र
6	1741x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. 76	शैलेन्द्र पिता सोहनलाल चौरड़िया	शैलेन्द्र पिता सोहनलाल चौरड़िया	शमीमबानो शाह पति जाहिद शाह	विक्रय पत्र
7	1742x7/2024	डांगिया गली	28	प्लांट नं. 20 का भाग	गोविंदनारायण पिता कन्हैयालाल	सुल्ताना बी पति इसरार हुसैन	मुस्कान पति इलियास सब्जीफरोश	विक्रय पत्र
8	1743x7/2024	न्यू आनंद विहार	5	प्लांट नं. 14 व 12 ए	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर द्वारा मोहन पिता झमटमल मेघनानी	विनायक इंटरप्राईजेस मंदसौर द्वारा मोहन पिता झमटमल मेघनानी	मनीषा पति संजय शुक्ला	विक्रय पत्र
9	1744x7/2024	यश इनक्लेव	39	प्लांट नं. 72	सुशीलादेवी पति रणछोड़प्रसाद गनेड़ीवाल द्वारा मु.आ. वेदांत पिता गौतम गनेड़ीवाल	सुशीलादेवी पति रणछोड़प्रसाद गनेड़ीवाल द्वारा मु.आ. वेदांत पिता गौतम गनेड़ीवाल	भावना पति हरीश कल्याणी	विक्रय पत्र
10	1745x7/2024	कसाईवाड़ा	28	मकान नं. पुराना 29 व 31 नया	मो. इसराईल पिता मो. इस्माईल अंसारी	मो. इसराईल पिता मो. इस्माईल अंसारी	शमीम हुसैन पिता फखरुद्दीन	विक्रय पत्र
11	1746x7/2024	नारायण नगर सिल्वर	33	प्लांट नं. एलआईजी12	शालीमार गोल्ड द्वारा भागीदार दीपक कुमार पिता जड़ावचंद भूता उपेन्द्र पिता दीपककुमार भूता व अन्य आदि	शालीमार गोल्ड द्वारा भागीदार दीपक कुमार पिता जड़ावचंद भूता उपेन्द्र पिता दीपककुमार भूता व अन्य आदि	सफीनाबी पति शाकिर हुसैन	विक्रय पत्र
12	1747x7/2024	दत्त मंदिर रोड गली	16	प्लांट नं. 5 पूर्वी भाग	राकेशजी, सुरेशजी, कन्हैयालाल पिता नारु कुम्हार	राकेशजी, सुरेशजी, कन्हैयालाल पिता नारु कुम्हार	निर्मला पति यशवंत बागड़ी	विक्रय पत्र
13	1748x7/2024	संजीत मार्ग जनता कालोनी	8	मकान नं. एमआईजी ए/40	स्व. मदनलाल पिता नानालाल पंवार	स्व. मदनलाल पिता नानालाल पंवार	गंगाधर पंवार पिता स्व. मदनलालजी	वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र
14	1749x7/2024	शंकर विहार गोल्ड	5	प्लांट नं. 88	मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन एंड डेव्हलपर्स नरेन्द्रकुमार पिता मोहनलाल गर्ग एवं अन्य आदि	मेसर्स कृष्णा कंस्ट्रक्शन एंड डेव्हलपर्स नरेन्द्रकुमार पिता मोहनलाल गर्ग एवं अन्य आादि	कपिल पिता मुकेश शर्मा	विक्रय पत्र
15	1750x7/2024	मदारपुरा	34	मकान नं. 376	मो. हुसैन पिता नसीब खां	चांदबी पति मो. हुसैन खान	हीना बी पति रफीक खां	विक्रय पत्र

राजस्व अधिकारी
नगर पालिका मन्दसौर (म.प्र.)

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद मन्दसौर (म.प्र.)

जिला चिकित्सालय मंदसौर: जन्म प्रमाण पत्र व्यवस्था पर सवाल, जनता परेशान

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय मंदसौर में नवजात शिशुओं के जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के लिए किए गए प्रशासनिक निर्देशों और नवाचारों के बावजूद, व्यवस्था में सुधार होता दिखाई नहीं दे रहा है। 20 नवंबर 2024 को सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि प्रसूति विभाग में जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र 21 नवंबर 24 से उसी दिन बनाकर माता-पिता को डिस्चार्ज कार्ड के साथ उपलब्ध कराया जाए। इसके लिए नर्सिंग ऑफिसर, सहायक कर्मचारी और कंप्यूटर ऑपरेटर की जिम्मेदारी तय की गई थी।

नेमीचंद राठौर

आदेश के अनुसार, मेटरनिटी विभाग के प्रभारी को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर, प्रतिदिन जन्म प्रमाण पत्र बनवाने और उसकी रिपोर्ट व्हाट्सएप ग्रुप पर साझा करने का निर्देश दिया गया था। परंतु, आदेश लागू होने के बावजूद मेटरनिटी विभाग में नवजात शिशुओं के जन्म प्रमाण पत्र समय पर नहीं बन रहे हैं।

तकनीकी समस्या या लापरवाही..?–विधायक प्रतिनिधि मनोहर नाहटा ने मामले की जानकारी ली तो विभागीय अधिकारी तकनीकी समस्या का हवाला देते नजर आए। हालांकि, यह तर्क तब कमजोर पड़ गया जब पता चला कि जन्म-मृत्यु केंद्र पर प्रमाण पत्र सामान्य रूप से बनाए जा रहे हैं। सवाल उठता है कि जब लिंक और अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध हैं, तो मेटरनिटी विभाग में समस्या क्यों हो रही है। अधिकारी और कर्मचारी इसका संतोषजनक उत्तर देने में असफल रहे।

नवाचार धरातल पर विफल–जिला चिकित्सालय में नवाचार की बात की जाती है, लेकिन धरातल पर यह सार्थक साबित नहीं हो रहा है। अस्पताल प्रशासन ने प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के उद्देश्य से यह नवाचार शुरू किया था। लेकिन वर्तमान स्थिति में नवजातों के माता-पिता को जन्म प्रमाण पत्र के लिए दूर-दराज से बार-बार अस्पताल आना पड़ता है। यह व्यवस्था न केवल माता-पिता के लिए परेशानी का सबब बनी है, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर रही है।

जनता की परेशानियां बढ़ी–जन्म प्रमाण पत्र के लिए रोजाना 100 से अधिक लोग जिला चिकित्सालय का रुख करते हैं। इनमें करीब 60 नए प्रमाण पत्र जारी करने, 25 डिजिटल प्रमाण पत्र, और 20 करेक्शन संबंधी मामले शामिल हैं। मंदसौर के अलावा आसपास के जिलों और दूर-दराज गांवों जैसे कोटा, झालावाड़, चित्तौड़गढ़, भानपुरा, गरोठ, नीमच, रतलाम, उज्जैन और धार से भी लोग प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आ रहे हैं। लेकिन अस्पताल की लापरवाही और प्रक्रिया में देरी के कारण जनता को बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं।

आगे की राह–इस समस्या का समाधान निकालने के लिए संबंधित विभाग को तकनीकी मुद्दों की गहराई से जांच करनी होगी और जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। प्रशासन को सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि नवाचार के उद्देश्यों को सार्थक बनाया जा सके। यदि इस मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो जनता का भरोसा प्रशासन से उठ सकता है और असंतोष बढ़ सकता है। जिला चिकित्सालय मंदसौर में जन्म प्रमाण पत्र के लिए बनाई गई नई प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता का अभाव है। प्रशासन को जल्द से जल्द इस समस्या का समाधान निकालकर जनता की परेशानियों को कम करना चाहिए।

मन से मंदसौर वेबसाइड के माध्यम से विमला प्रकाश पूंज डोसी फाउण्डेशन ने भेंट किया शव वाहन

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 'मन से मंदसौर' वेबसाइड के माध्यम से विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन ने एक सर्वसुविधायुक्त शव वाहन को अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर को भेंट किया। मन से मंदसौर वेबसाइट के माध्यम से कोई भी दानदाता जरूरतमंद व्यक्ति को दान कर सकता है। साथ ही जरूरतमंद व्यक्ति दान लेने के लिए भी इस वेबसाइट के माध्यम से पंजीयन कर सकता है। यह वेबसाइट दानदाता और दान को ग्रहण करने वाले जरूरतमंद व्यक्ति के बीच में समन्वय का काम करती है। इस वेबसाइट के माध्यम से दानदाता सीधे जरूरतमंद व्यक्ति को ही दान कर सकता है। विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन के फाउण्डर सीए प्रतिक डोसी ने अपने पिता स्व. श्री प्रकाशचंद्र जी डोसी कर सलाहकार की स्मृति में एक शव वाहन डोनेट करने के घोषणा की थी। उसी के तहत यह सर्वसुविधायुक्त शव वाहन आज अन्नक्षेत्र कमेटी मंदसौर को भेंट किया गया। जिसका संचालन कमेटी करेंगी। उक्त कार्यक्रम जैन श्वेताम्बर सोश्यल ग्रुप, मंदसौर के तत्वावधान में नगर के आर्यरक्षित जैन तीर्थ चंद्रपुरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसौदिया, जनभागिदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, अन्नक्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष श्री शांतिलाल बड़जात्या, विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन के फाउंडर सीए प्रतिक डोसी, समाजसेवी मौजूद थे।

शव वाहन की सुविधाएं–विमला प्रकाश पुंज डोसी फाउण्डेशन के फाउण्डर सीए प्रतिक डोसी ने बताया कि उक्त शव वाहन में हर प्रकार की सुविधाओं को ध्यान में रखा गया है। इसमें मॉच्युरी फिजर बॉक्स, साउण्ड सिस्टम, फूल मशीन, कैमरा, पानी व्यवस्था, सिढी निशनी, थाली रखने का स्थान आदि का विशेष ध्यान रखा गया है। यदि किसी शव को कुछ देर रखना पडे इसलिए मॉच्युरी फिजर बॉक्स इसमें दिया है। गमी हुए परिवार के उपर बैण्ड का अतिरिक्त खर्च न आयें इसलिए साउण्ड सिस्टम भी लगवाया गया है। गमी हुए परिवार के कोई सदस्य किसी कारण वश अंतिम यात्रा में शामिल नहीं हो तो उनके कैमरा दिया गया है। जिसमें अंतिम यात्रा को रिकार्ड किया जा सकेंगा ताकि परिजन बाद में यह देख सकें और अंतिम दर्शन कर सकें।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सड़क पर उतरेगा हिंदू समाज

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सर्व हिंदू समाज आगामी 4 दिसंबर 2024 बुधवार को एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम देगा जिसको लेकर आज 30 नवंबर शनिवार को सर्व हिंदू समाज की एक बड़ी बैठक बंडीजी के बाग में शाम 7 बजे संपन्न हुई जिसमे सर्व समाज के बंधुओ ने तय किया की बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम देना है इसके लिए सभी समाज के बंधुओ को बुधवार 4 दिसंबर 2024 को दोपहर 1 बजे महाराणा प्रताप बस स्टेंड स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर एकत्रित होना है और वहां से रेली के रूप में कलेक्टर को ज्ञापन हेतु चलना है इस कार्यक्रम में समाज के सभी वर्ग, मातृ शक्ति, सामाजिक संगठन, व्यापारिक संगठन, छात्र संगठन, धार्मिक संगठन भी अपनी पूरी ताकत के साथ हिंदू समाज के इस ज्ञापन में सहभागिता करेगा ऐसा संकल्प लिया है। साथ ही सभी बैठक में उपस्थित बंधुओ ने समाज के हर व्यक्ति को इस ज्ञापन के कार्यक्रम में आने का आव्हान करेंगे ऐसा संकल्प भी लिया है।

तीन सड़क हादसे, 5 घायल, एक की स्थिति गंभीर

पिपलियामंडी, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र में तीन सड़क हादसों में वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं पांच लोग घायल हो गए, इनमें एक की स्थिति गंभीर है। रविवार सुबह 8 बजे करीब नगर में मनासा मार्ग जैन स्थानक के निकट रामपुरा की ओर से आ रही जयमाला बस (एमपी 44 जेडबी 7024) की भारत गैस सिलेण्डर से भरी पिकअप (एमपी 14 जीसी 0390) से भिड़त हो गई। बताया गया टर्न लेने के दौरान यह हादसा हुआ।

दुर्घटना के बाद पिकअप डिवाइडर पर चढ़ गया, जिसके कांच फूट गए व आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, इसमें सवार ड्राइवर व हेल्पर को चोंटे आई। वहीं बस के आगे का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ, बस में भी सवारियां भरी थी। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नही हुआ। दूसरा हादसा शनिवार रात्रि फोरलेन पर अंग्रेजी शराब दुकान के यहां हुआ। बाइक सवार लूनाहेड़ा निवासी लोकेन्द्रसिंह पिता महिपालसिंह सिसोदिया खड़े ट्रक में पीछे से घुस गया, लोकेन्द्रसिंह सोनिक बायोकेम फेक्ट्री में कार्य करता है, वह ड्यूटी से वापस आ रहा था, इसी दौरान सड़क पर नीमच की ओर जाने की दिशा में खड़ी ट्रक के पीछे बाइक से घुस गया। घायल को मंदसौर जिला अस्पताल भर्ती कराया, हालत गंभीर होने से उसे उदयपुर रेफर कर दिया। तीसरा हादसा शनिवार शाम पुलिस थाने से आगे फोरलेन पर हुआ। राजस्थान की ओर से मंदसौर की ओर जा रही कार के आगे रोजड़ा आ गया। कार के आगे का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, कांच फूट गए, रोजड़े की मौके पर मौत हो गई। वहीं इसमें सवार दो युवकों को चोंटे आई।

शहर सहित अंचल में कड़ाके की ठंड

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में कड़ाके की ठंड का असर है। शनिवार-रविवार की रात अब तक की सबसे सर्द रात रही। इस दौरान न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक पहुंच गया। जबकि, अधिकतम तापमान 25.5 डिग्री के आसपास बना रहा। मौसम विभाग के अनुसार इस सप्ताह भी ठंड का कहर जारी रहेगा। 20 दिसंबर से कड़ाके की ठंड का दौर शुरू होगा, जो जनवरी तक बना रहेगा। इस दौरान 20 से 22 दिन कोल्ड वेव चलेगी।

मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि दिसंबर के अंत में प्रदेश के कई हिस्सों में सर्द हवाएं चलेंगी। जनवरी में ये कोल्ड वेव 20 से 22 दिन तक जारी रह सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले 3-4 सालों के मुकाबले इस बार ज्यादा ठंड पड़ने का अनुमान है। पिछले साल दिसंबर के आखिरी 10 दिनों में ठंड शुरू हुई थी। लेकिन, इस बार यह पहले से ही महसूस हो रही है।

दूसरे पखवाड़े में हो सकती है बारिश–मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक इस दौरान उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में सबसे ज्यादा सर्दी रहेगी। जहां बर्फीली हवाएं चलेंगी। माह के दूसरे पखवाड़े में बारिश भी हो सकती है।

जूनियर महिला हॉकी एशिया कप टीम का ऐलान

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर की हॉकी खिलाड़ी आदित् महेश्वरी भारतीय हॉकी टीम मे शामिल यह प्रतियोगिता ओमान के मस्कट मे 07 से 15 दिसंबर तक आयोजित होगी, ज्ञात रहे की अदिति महेश्वरी पिछली बार भी जापान मे हुए एशिया कप मे विजेता भारतीय टीम की सदस्य थी अदिति की हॉकी की शुरुआत कक्षा छठी से हुई यहीं से राज्य व राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शिरकत करी जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा ने बताया कि इसके बाद अदिति मध्य प्रदेश शासन द्वारा मंदसौर में संचालित हॉकी फीडर सेंटर की नियमित सदस्य रही है यहीं से भारत की नंबर एक महिला अकैडमी ग्वालियर में चयन हुआ। जहां परमजीत सिंह बराड़ जैसे प्रशिक्षकों का सानिध्य मिला अदिति पिछले 2 वर्ष से बेंगलुरु में इंडिया के प्रशिक्षणरत थी अदिति की इस उपलब्धि में पिता अभिनव महेश्वरी जो कि मंदसौर में ही जल संसाधन विभाग में कार्यरत है अमूल्य भूमिका रही अदिति की इस उपलब्धि पर हॉकी मंदसौर के संरक्षक यशपाल सिंह सिसोदिया, विशाल गोयल, त्रिभुवन कविश्वर, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, हॉकी मंदसौर एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप सिंह सिसोदिया, सचिव अविनाश उपाध्याय, कोच रवि कोपरगांवकर, दिनेश यादव, शैलेंद्र मसीह, खेलो इंडिया एन,आई,एस कोच वैभव चौरसिया, मीत चौहान, मंगल बैरागी, ओमप्रकाश गुर्जर, राजेंद्र सिंह, भरत सिंह, शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के खेल अधिकारी राजू कुमार, शासकीय महाविद्यालय दलोदा के खेल अधिकारी अब्दुल रज़्ज़ाक, सीनियर खिलाड़ी संजय तोमर, मनोज जैन, अंकित मंडोर, राकेश श्रीवास्तव, भारत देवड़ा, अजय सिंह गौड़, कमलेश शर्मा, शैलेंद्र परिहार, पिंटू आर्थर, डॉ हिमांशु यजुर्वेदी दुबेला क्लब के अध्यक्ष श्री विनय दूबेला, अमर क्लब के अध्यक्ष श्री भानु प्रताप सिंह सिसोदिया, आदि ने बधाई दी व उनकी उज्वल भविष्य की कामना की।

पंख अभियान के तहत नीमच में कार्यशाला आज

नीमच, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांछड़ा समुदाय के उत्थाउन के लिए जिला प्रशासन द्वारा संचालित पंख अभियान के तहत बांछड़ा समुदाय को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु बांछड़ा बाहुल्य ग्रामों में चयनित स्वयंसेवकों को विभिन्न शासकीय विभागीय, अर्द्ध शासकीय एवं निजी संस्थाओं की गतिविधियों से जोड़ने/संबद्ध करने एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं का लाभ हितग्राहियों को प्रदान करने के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आज 2 दिसम्बर 2024 को प्रात: 11 बजे रोटरी क्लब नीमच में आयोजित की जा रही है। कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री ताराचन्द्र मेहरा ने सभी संबंधितों से इस कार्यशाला में उपस्थित होने का आगृह किया।

घर-घर जाकर खसरा, ई केवाईसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की

नीमच, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में राजस्व महा अभियान के तहत खसरा ई केवाईसी एवं फॉर्मर रजिस्ट्री के लिए घर-घर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है राजस्वामी द्वारा घर-घर जाकर किसानों की खसरा ई केवाईसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की जा रही है।

इसी क्रम में रविवार को सिंगोली तहसील के ग्राम काकरिया तलाई में राजस्व अमले द्वारा घर-घर जाकर 46 लोगों की खसरा एक केवाईसी की गई। ग्राम धनगांव में रविवार को 16 किसानो की खसरा ई केवाईसी की गई। रतनगढ में राजस्व अमले द्वारा रविवार को 25 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री का कार्य किया गया है।

लारेंस विश्नोई गैंग के सदस्य सहित 3 बदमाश गिरफ्तार, शराब से भरे ट्रक हाइजैक करने का था प्लान

इंदौरा, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गैंगस्टर लारेंस विश्नोई के गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस ने भूपेंद्र सिंह, आदेश चौधरी, और दीपक सिंह रावत को पिस्टल सहित पकड़ा। इन आरोपितों से तीन पिस्टल बरामद हुई हैं। भूपेंद्र सिंह पर बिहार पुलिस ने पचास हजार रुपए का इनाम घोषित किया है।

लारेंस के साथ जेल में बंद था भूपेंद्र–शराब से भरे के ट्रक को हाइजैक करने के लिए बदमाश आया हुआ था। गरिफ्तार किया गया भूपेंद्र पंजाब में लॉरेंस विश्नोई के साथ एक ही जेल में बंद था। वह लॉरेंस की ही सेल में था, जिसके कारण दोनों की जानपहचान हुई। आरोपी भूपेंद्र पर पंजाब और बिहार में पिस्टल की तस्करी के आरोप में केस दर्ज हैं। गैंगस्टर लारेंस विश्नोई वर्तमान में साबरमती जेल में बंद है, जबकि उसके गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है। पुलिस की कड़ी कार्रवाई के बाद इन बदमाशों को गिरफ्तार कर अपराधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाया गया है। आरोपितों से पूछताछ की जा रही है ताकि गैंग के अन्य सक्रिय सदस्यों का पता चल सके।

आज भाजपा संगठन की बैठक को संबोधित करेंगे पुष्यमित्र भार्गव

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पूरे देश के साथ मध्य प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में संगठन पर्व अंतर्गत महत्वपूर्ण बैठकर आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में संघटन पर्व के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन आज दिनांक 2 दिसंबर 2024 को प्रात: 12:30 बजे जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर किया जा रहा है।

बैठक में जिला संगठन चुनाव प्रभारी इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, भाजपा जिला संगठन प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा और भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला संगठन पर्व अंतर्गत जिला चुनाव सह प्रभारी मानसिंह मच्छोपुरिया एवं राजेंद्र सुराणा की उपस्थिति रहेगी। इस आवश्यक बैठक में अपेक्षित श्रेणियां इस प्रकार हैं - भाजपा जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण, मोर्चा जिला अध्यक्षगण, संगठन पर्व मंडल सहयोगीगण, भाजपा मंडल प्रभारीगण, सांसद, विधायक, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य, जनपद अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला निर्वाचन टोली के सदस्य, नगर परिषद/नगर पालिका अध्यक्ष अपेक्षित है। यह बैठक संगठन पर्व के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अत: सभी अपेक्षित श्रेणियों के सदस्य कृपया समय का पालन करते हुए अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी नीलेश जैन ने दी।

विश्व एड्स दिवस पर रैली निकाल कर दिया संदेश

मंदसौर, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। विश्व एड दिवस 1 दिसम्बर को अधिकारों की राह अपनाए, 'मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार' के तहत मंदसौर/रतलाम लिंक वर्कर स्किम एडवांस इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सोसायटी सोसायटी द्वारा कार्यक्रम की शुरुवात रेड रिबन लगाकर कार्यालय से रैली निकाल कर की गयी। मजदूरों के साथ तख्तियों एवं नारो के साथ एचआईवी से डरना नही लड़ना है का संदेश दिया व 1097 टोल फ्री नम्बर द्वारा अन्य एचआईवी से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते है बताया गया। टोलप्लाज़ा पर ट्रक चालकों एवं पुलिस डिपार्टमेंट के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रम किये गए। आर आर सी के सदस्यों द्वारा गांधी चौराहा पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से एच आई व्ही एड होने के चार कारण एवं उससे बचाव के तरीके बताए गए।

किरायेदार नहीं रख सकेगा दूसरा पार्टनर, छोटी सी गलती पर देना पड़ेगा चार गुना रेंट

भोपाल, 01 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नगरीय क्षेत्र में आवास किराये पर लेकर उसमें कारोबार संचालित करना आम बात है लेकिन अब बिना मकान मालिक की अनुमति ऐसा नहीं किया जा सकेगा। यदि कारोबारी गतिविधि संचालित करनी है तो छह माह का किराया अग्रिम देना होगा।

किरायेदार परिसर किसी और को किराये में भी नहीं दे सकेगा। ऐसा पाया जाता है तो इसे अनुबंध का उल्लंघन मानते हुए कार्रवाई की जाएगी। इसका प्रविधान भारत सरकार के दिशा निर्देश पर तैयार किए गए किरायेदारी अधिनियम के प्रारूप में किया जा रहा है। मुख्य सचिव अनुराग जैन की सहमति मिलने के बाद प्रविधानों को अब नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा कैबिनेट में प्रस्तुत किया जाएगा। उधर, फायर एक्ट भी शीतकालीन सत्र में प्रस्तुत किया जा सकता है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन सहित अधिकतर नगरीय निकायों में बड़ी संख्या में आवास किराये पर दिए जाते हैं। कई बार मकान मालिक और किरायेदार के बीच किराये, मकान के संधारण और खाली कराने को लेकर विवाद होता है। मामले कोर्ट तक पहुंच जाते हैं।

किरायेदारी अधिनियम का प्रारूप–इसे देखते हुए मकान मालिक और किरायेदार के हितों को दृष्टिगत रखते हुए भारत सरकार ने मॉडल किरायेदारी अधिनियम का प्रारूप बनाकर सभी राज्यों को अपने-अपने अधिनियम में संशोधन करने के लिए भेजा था। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने इसके आधार पर प्रारूप तैयार किया है, जिसे 16 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रस्तुत करने की तैयारी है।

मालिक की सहमति जरूरी–इसमें प्रविधान किया है कि किरायेदार बिना मकान मालिक की सहमति के किसी और को उप किरायेदार नहीं रख सकेगा। यदि दोनों के बीच सहमति बनती है तो उप किरायेदार रखा जा सकता है और इसकी सूचना किराया प्राधिकारी को देनी होगी।

अनुबंध समाप्त होने के बाद चार गुना देना होगा किराया–किरायेदार अनुबंध समाप्त होने के बाद भी मकान खाली नहीं करता है तो प्रथम दो माह तक दोगुना और इसके बाद चार गुना मासिक किराया देना होगा। आवासीय प्रयोजन के लिए किराये पर मकान लेने के बाद वहां कारोबार करने की अनुमति नहीं रहेगी। यदि ऐसा किया जाता है तो छह माह का किराए अग्रिम देना होगा।

यह भी रहेंगे प्रविधान–✼ बिना अनुबंध के मकान मालिक किरायेदार नहीं रख पाएंगे। ✼ निर्धारित अवधि के बाद मकान खाली करना होगा। ✼ यदि मकान खाली नहीं किया जाता है तो शिकायत पर सुनवाई करके बेदखली की कार्रवाई की जाएगी। ✼ मकान मालिक भी किरायेदार को अनावश्यक रूप से तंग नहीं कर सकेगा। ✼ आवश्यक सेवाओं को बाधित करने पर मालिक के विरुद्ध कार्रवाई होगी। ✼ किरायेदार अनुबंध के अनुसार बढ़ा हुआ किराया देने से इन्कार करता है तो इसकी शिकायत किराया अधिकरण में की जा सकेगी। ✼ युद्ध, बाढ़, सूखा, तूफान, भूकंप या कोई अन्य प्राकृतिक आपदा की स्थिति है तो अवधि समाप्त होने पर भी किरायेदार से मकान खाली नहीं कराया जाएगा पर उसे अनुबंध के अनुसार किराया देना होगा। ✼ किरायेदार की मृत्यु होने पर उसके उत्तराधिकारी को रहने का अधिकार होगा पर उसे भी अनुबंध का पालन करना होगा। ✼ मकान किराये पर देने के बाद मकान मालिक को यह अधिकार नहीं रहेगा कि वह कभी भी परिसर में प्रवेश करे। ✼ मकान में मरम्मत या अन्य कार्य करवाने, निरीक्षण या अन्य किसी कारण से प्रवेश करना है तो कम से कम चौबीस घंटे पहले सूचना देनी होगी। ✼ किराया प्राधिकारी नियुक्त होगा, जो डिप्टी कलेक्टर से कम स्तर का नहीं होगा। ✼ प्रत्येक जिले में जिला अथवा अपर जिला न्यायाधीश को किराया अधिकरण नियुक्त किया जाएगा। इन्हें साठ दिन के भीतर आवेदन का निराकरण करना होगा। ✼ केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकरण, किसरी सरकार उपक्रम, उद्यम या किसी कानूनी निकाय के स्वामित्व वाले परिसर पर प्रविधान लागू नहीं होंगे।

✼ उठावना ✼

प्रमोद पारीक जी के बड़े भाई,

स्व. महेश कवीश्वर के ससुर जी एवं आशुतोष (हैप्पी) कविश्वर के नाना जी श्री गोविंद शरणजी पारीख का निधन दिनांक 30/11/2024 को हो गया है जिनका उठावना 02/12/2024 को सुबह 11 बजे कवीश्वर भवन स्टेशन रोड मंदसौर पर रखा गया है।

✼✼✼ शोकाकुल ✼✼✼
पारीख एवं कवीश्वर परिवार
मंदसौर (म.प्र.)
नोट–बैठक का समय प्रतिदिन शाम 7 बजे से 8 बजे तक रहेगा
स्थान–कवीश्वर भवन, ऋतुवन होटल के पास, स्टेशन चौराहा, मंदसौर (म.प्र.)

स्व. श्री एस.के. मतलानीजी की पंद्रहवी पावन स्मृति में

(नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर एवं नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर)

जिला अंधत्व नियंत्रण समिति, मंदसौर की प्रशासनिक अनुमति व श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय, मंदसौर के सहयोग से एवं

सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शनस प्रा. लिमिटेड ग्राम थड़ोद, जिला-मंदसौर

के सौजन्य से आयोजित

विशाल नि:शुल्क

नेत्र परीक्षण शिविर एवं नि:शुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन शिविर

दिनांक-04 दिसम्बर 2024, बुधवार

समय-प्रातः 10.00 बजे से दोपहर 02.00 बजे तक

स्थान-सोनिक कृषि बाजार, महू नीमच रोड, टोल टेक्स नाके के पास, ग्राम थड़ोद, जिला मंदसौर (म.प्र.)

✼ शिविर में सभी नेत्र रोगियों की नजर, चश्मे, कालापानी, मोतियाबिन्द, नासूर, पर्दे की बीमारी आदि की जांच नि:शुल्क की जावेगी। ✼ परीक्षण पश्चात ऑपरेशन योग्य मरीजों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन (लेंस प्रत्यारोपण सहित) श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर में निर्धारित दिनांक को नि:शुल्क किये जाएंगे। ✼ ऑपरेशन के लिए भर्ती मरीजों को चाय, बिस्किट, भोजन एवं बिस्तर (ओढ़ने का साधन साथ लावें) श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर द्वारा नि:शुल्क उपलब्ध करवाएं जाएंगे। ✼ मरीज को नेत्र चिकित्सालय पहुंचाने व वापस लाने की व्यवस्था नि:शुल्क रहेगी। ✼ मरीज के साथ एक सहायक को नेत्र चिकित्सालय में रहने की अनुमति होगी। ✼ ऑपरेशन हेतु भर्ती के लिए आने वाले मरीजों को स्वयं के आधारकार्ड की फोटो कॉपी लाना अनिवार्य है। ✼ ऑपरेशन पश्चात प्रथम परीक्षण सप्ताह बाद व दूसरा परीक्षण एक माह बाद शिविर स्थल पर ही होगी। ✼ ऑपरेशन हुए मरीजों को नजर के चश्मे श्री लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय मंदसौर द्वारा नि:शुल्क दिए जावेंगे।

अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें.....

✼ श्री लाभमुनि नेत्रालय, मंदसौर (म.प्र.) 458001, मोबाईल-7067317362, 9685965017

✼ सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शनस प्रा. लिमिटेड ग्राम थड़ोद

मो.-7898912152, 7898920433, 97898920434, 97898920435, 97898920438, 9630184858, 7415845122

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in